# दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

वर्ष 25 अंक 174 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये

शुक्रवार 26 सितंबर 2025

डाक-शनिवार 27 सितंबर 2025

chhattisgarhgaurav@rediffmail.com


इंदौर स्वीट्स

नमकीन और मिठाईयों की लंबी
श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी

हमारा विश्वास हैं

एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...

पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

## प्रथमेश

### यूएन में तीन घटनाएं : ट्रंप ने 'साजिश' का लगाया आरोप, सीक्रेट सर्विस से जांच की मांग

न्यूयॉर्क ,27 सितंबर (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की यात्रा के दौरान उनके खिलाफ तीन बहुत ही भयावह घटनाएं हुईं। उन्होंने कहा कि सीक्रेट सर्विस इसकी जांच करेगी। ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र में विश्व नेताओं को संबोधित किया। उन्होंने संस्था पर हमला बोला कि वह अपनी क्षमता को बर्बाद कर रही है। उन्होंने यूरोपीय सहयोगियों की रूस-यूक्रेन संघर्ष को संभालने की आलोचना की। साथ ही, उन पर आव्रजन नीतियों को अपनाने का आरोप लगाया, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि वे उनके देशों को नर्क की ओर ले जा रही हैं। बुधवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने कहा कि उनकी यात्रा के दौरान हुई असामान्य दुर्घटनाएं महज संयोग नहीं थीं। वह एक बड़ी साजिश का हिस्सा थीं। ट्रंप के अनुसार, पहली घटना तब घटी जब उन्हें और उनके साथियों को ले जा रहा एस्केलेटर अचानक तेज आवाज के साथ रुक गया। उन्होंने इस घटना पर जवाबदेही की मांग की। ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने लिखा, जिन लोगों ने ऐसा किया है उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। ट्रंप के भाषण के दौरान दूसरी परेशानी तब हुई जब उनका टेलीप्रॉम्प्टर अचानक पूरी तरह काला हो गया। ट्रंप ने इसे किसी की चालाकी बताया, लेकिन एक यूएन अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि टेलीप्रॉम्प्टर चलाने की जिम्मेदारी व्हाइट हाउस के स्टाफ की थी। तीसरी कथित तोड़फोड़, ट्रंप के अनुसार, हॉल के अंदर ध्वनि की समस्या से जुड़ी थी।

# सुबह उठते ही नया झटका देते हैं ट्रंप, अब दवाओं पर लगाया 100% टैरिफ, भारत की दवा कंपनियों को होगा नुकसान

नई दिल्ली,27 सितंबर (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आज अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर घोषणा की कि 1 अक्टूबर 2025 से अमेरिका कई आयातित वस्तुओं पर भारी टैरिफ लगाने जा रहा है। इनमें सबसे बड़ा कदम फार्मास्यूटिकल उत्पादों पर 100% टैरिफ का है। ट्रम्प ने कहा कि जिन कंपनियों ने अमेरिका में उत्पादन संयंत्र का निर्माण शुरू कर दिया है, उन पर यह नियम लागू नहीं होगा। यदि उनका उत्पादन अमेरिका के भीतर नहीं हो रहा है तो उन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगेगा।

इसके अलावा, रसोई कैबिनेट और बाथरूम वैनिटी पर 50%, अपहोल्स्टर्ड फर्नीचर पर 30% और हैवी ट्रक्स पर 25% टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रम्प ने तर्क दिया कि यह कदम अमेरिकी उद्योगों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाने और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उठाया जा रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि टैरिफ लगाने से अमेरिका में निवेश बढ़ेगा और घरेलू विनिर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहन मिलेगा। हालाँकि हालिया आँकड़े बताते हैं कि अमेरिकी उद्योगों में रोजगार घटा है। अप्रैल से अब तक विनिर्माण क्षेत्र में 42000 नौकरियाँ और निर्माण क्षेत्र की 8000 नौकरियाँ कम हुई हैं।

देखा जाये तो यह घोषणा केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि उन देशों पर भी असर डालेगी जो वहाँ अपने उत्पादों का निर्यात करते हैं। भारत, जो विश्व स्तर पर दवाओं का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक देशों में से है, इस नीति से गहराई से प्रभावित हो सकता है। हम आपको बता दें कि अमेरिका भारतीय दवा कंपनियों के लिए सबसे बड़ा बाज़ार है। भारत से अमेरिका को जेनेरिक दवाओं का निर्यात लगातार बढ़ा है, परंतु कुछ कंपनियाँ ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं का भी कारोबार करती हैं। 100% टैरिफ के बाद भारतीय दवाएँ अमेरिकी बाज़ार में दोगुनी कीमत पर पहुँचेंगी। इसका सीधा असर माँग पर पड़ेगा और भारतीय कंपनियों की प्रतिस्पर्धा क्षमता घटेगी। यदि यह स्थिति बनी रही तो भारत की फार्मा कंपनियों को भारी राजस्व हानि हो सकती है। साथ ही, अमेरिकी बाज़ार पर अधिक निर्भर कंपनियाँ वित्तीय संकट का सामना कर सकती हैं।

इसके अलावा, भारत से अमेरिका को फर्नीचर और कैबिनेट का भी निर्यात होता है। हालाँकि यह चीन और वियतनाम की तुलना में कम है, परंतु भारत की बढ़ती हिस्सेदारी को यह नया टैरिफ झटका देगा। फर्नीचर और कैबिनेट महँगे होने से अमेरिकी उपभोक्ताओं की मांग घटेगी और भारतीय निर्यातकों का नुकसान होगा। जहाँ तक हैवी ट्रक्स का सवाल है तो इस क्षेत्र में भारत का अमेरिका में सीधा निर्यात नगण्य है। इसलिए इस पर प्रत्यक्ष प्रभाव कम होगा। लेकिन वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बदलाव से भारतीय वाहन उद्योग पर परोक्ष दबाव पड़ सकता है।

देखा जाये तो यह टैरिफ नीति अमेरिका फर्स्ट दृष्टिकोण की ओर इशारा करती है, जो वैश्विक व्यापार को संकुचित बना रही है। इसलिए भारत को अमेरिका पर निर्भरता घटाकर यूरोप, अफ्रीका और एशिया के नए बाज़ारों पर ध्यान देना होगा। साथ ही कुछ भारतीय कंपनियाँ अमेरिका में उत्पादन संयंत्र लगाने की दिशा में कदम बढ़ा सकती हैं ताकि टैरिफ से बच सकें। इसके अलावा, भारत को अमेरिकी प्रशासन के साथ उच्च स्तरीय वार्ता करनी होगी ताकि कम-से-कम जेनेरिक दवाओं को राहत मिल सके।

इसमें कोई दो राय नहीं कि ट्रम्प की घोषणा भारत के लिए चेतावनी है। फार्मा सेक्टर सबसे बड़ा झटका झेलेगा, क्योंकि यह भारत के निर्यात और रोजगार का अहम आधार है। अल्पकाल में कंपनियों का मुनाफा घटेगा और बाज़ार की हिस्सेदारी सिकुड़ेगी। दीर्घकाल में यदि भारत नए बाज़ार खोज लेता है और घरेलू उत्पादन में निवेश बढ़ाता है, तो इस संकट को अवसर में बदला जा सकता है।

बहरहाल, टैरिफ की यह नई दीवार भारत के लिए कठिनाई लेकर आएगी। यह दिखाता है कि वैश्विक व्यापार अब पहले जैसा उदार नहीं रहा, और हर देश अपने उद्योगों को बचाने में जुटा है। भारत को इस परिस्थिति में लचीली नीति, विविधीकृत निर्यात रणनीति और मज़बूत कूटनीतिक प्रयासों से ही आगे बढ़ना होगा।

## प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. मनमोहन सिंह की जयंती पर दी श्रद्धांजलि, योगदान को किया याद

नई दिल्ली,27 सितंबर (एजेंसी)। देश के पूर्व प्रधानमंत्री और अर्थशास्त्री, दिवंगत डॉ. मनमोहन सिंह की जयंती पर पूरा देश उन्हें याद कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को सराहा।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की जन्म-जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि। हम उनके लंबे राजनीतिक जीवन के दौरान देश के लिए उनके योगदान को याद करते हैं।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी डॉ. सिंह के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। एक्स पर अपने संदेश में उन्होंने कहा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी को उनकी जयंती पर याद कर रहे हैं। देश की सेवा में उनके वर्षों को हमेशा सम्मान के साथ याद किया जाएगा। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह लंबे समय तक राज्यसभा सांसद रहने वाले देश के चुनिंदा नेताओं में शुमार थे। वह लगभग 33 साल तक राज्यसभा सांसद रहे। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था में नई वित्तीय और प्रशासनिक सुधारों की शुरुआत की। वर्ष 1991 में वह पहली बार राज्यसभा के सदस्य बने थे। उसी साल वह 1991 से 1996 तक तत्कालीन नरसिम्हा राव सरकार में वित्त मंत्री रहे। साल 2004 में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को मिली जीत के बाद उन्होंने 14वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। उन्होंने यूपीए-1 और 2 में प्रधानमंत्री का पद संभाला। मनमोहन सिंह ने पहली बार 22 मई 2004 और दूसरी बार 22 मई, 2009 को प्रधानमंत्री के पद की शपथ ली थी। डॉ. मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितंबर, 1932 को पश्चिमी पंजाब के गाह में हुआ था, जो अब पाकिस्तान का हिस्सा है। उनके पिता का नाम गुरमुख सिंह और मां का नाम अमृत कौर था। उन्होंने 1952 और 1954 में पंजाब विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातक और मास्टर्स की डिग्री हासिल की। एमए इकोनॉमिक्स में वह यूनिवर्सिटी टॉपर रहे थे।

## 75 लाख महिलाओं को पीएम मोदी की सौगात बैंक खातों में ट्रांसफर होंगे 10-10 हजार रुपये

बिहार ,27 सितंबर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बिहार की महिलाओं को बड़ी सौगात देंगे। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत राज्य की 75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में 10-10 हजार रुपये की पहली किस्त सीधे ट्रांसफर की जाएगी। सुबह 11 बजे वर्चुअल माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में पीएम मोदी शामिल होंगे, जबकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी वर्चुअली जुड़ेंगे। राजनीतिक

विश्लेषकों का मानना है कि विधानसभा चुनाव से पहले यह योजना बड़ा गेम चेंजर साबित हो सकती है। वहीं, विपक्षी आरजेडी ने इस योजना को लेकर सरकार पर तंज कसा है। इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और स्व-रोजगार एवं आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है। योजना के तहत प्रत्येक परिवार की एक महिला को वित्तीय सहायता दी जाएगी ताकि वह अपनी पसंद के रोजगार या आजीविका गतिविधियां शुरू कर सके। इससे महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता के साथ सामाजिक सशक्तिकरण भी मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री कुल 7,500 करोड़ रुपये की राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजेंगे। सरकार का दावा है कि यह पहल महिलाओं को मजबूती प्रदान करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने में अहम भूमिका निभाएगी।

## भारत के विदेश मंत्री जयशंकर का बड़ा बयान, वैश्विक कार्यबल एक हकीकत, इससे बच नहीं सकते राष्ट्र

नई दिल्ली,27 सितंबर (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि आज की बदलती दुनिया को वैश्विक कार्यबल की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्र इस वास्तविकता से बच नहीं सकते कि राष्ट्रीय जनसांख्यिकी के कारण कई देशों में वैश्विक कार्यबल की मांग पूरी नहीं की जा सकती।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि आज की बदलती दुनिया को वैश्विक कार्यबल की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्र इस वास्तविकता से बच नहीं सकते कि राष्ट्रीय जनसांख्यिकी के कारण कई देशों में वैश्विक कार्यबल की मांग पूरी नहीं की जा सकती। उनकी यह टिप्पणी व्यापार और शुल्क चुनौतियों के

साथ-साथ आव्रजन पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सख्त रुख के बीच आई है, जिसमें एच-1बी वीजा पर 100,000 अमेरिकी डॉलर का नया शुल्क भी शामिल है, जो मुख्य रूप से भारतीय पेशेवरों को प्रभावित करता है। भारतीय इन अस्थायी कार्य वीजा के लाभार्थियों में अधिसंख्यक हैं। जयशंकर की यह टिप्पणी वैश्विक व्यापार तनाव, टैरिफ चुनौतियों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आव्रजन पर सख्त रुख की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें एच-1बी वीज़ा पर 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का नया शुल्क भी शामिल है, जिसका सीधा असर भारतीय पेशेवरों पर पड़ता है। जयशंकर ने कहा कि यह वास्तविकता कार्यबल वितरण पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की माँग करती है।

वैश्विक व्यापार प्रवाह पर प्रकाश डालते हुए, जयशंकर ने कहा कि अनिश्चितताओं के बावजूद, व्यापार हमेशा कोई न कोई रास्ता निकाल ही लेता है। उन्होंने कहा, आज भौतिक और डिजिटल कारणों से व्यापार करना आसान है, क्योंकि आज बेहतर सड़कें, शिपिंग और मानव अस्तित्व में पहले से कहीं अधिक सुगम व्यापार इंटरफेस हैं। उन्होंने आगे कहा कि बाधाएँ तो आती रहेंगी, लेकिन तकनीक और कनेक्टिविटी में प्रगति के ज़रिए उनका मुकाबला किया जा सकता है या उन्हें कम किया जा सकता है।

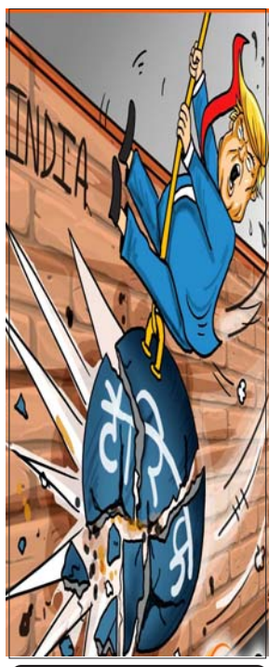


## रायपुर में माओवादी कपल गिरफ्तार, कई बड़े अफसरों के घरों में कर चुका है नौकरी

रायपुर,27 सितंबर (एजेंसी)। राजधानी रायपुर में माओवादियों की शहरी गतिविधियों पर बड़ी कार्रवाई हुई है। पुलिस ने डीडी नगर थाना क्षेत्र के चंगोराभाठा इलाके से एक माओवादी दंपती को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने इलाज का बहाना बनाकर मकान किराए पर लिया था और यहां से संगठन को लगातार मदद पहुंचा रहे थे। पुलिस को उनके पास से कई अहम दस्तावेज, मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मिले हैं, जिनसे माओवादी नेटवर्क के नए राज खुलने की उम्मीद है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जग्गू उर्फ रमेश कुरसम (28 वर्ष) और उसकी पत्नी कमला कुरसम (27 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों मूल रूप से बीजापुर जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के निवासी हैं। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों 2017-18 से माओवादी संगठन में सक्रिय हुए और बीते पांच से छह सालों से रायपुर के अलग-अलग इलाकों में रहकर संगठन को सहयोग कर रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, दंपती ने चंगोराभाठा में एक माह पहले ही मकान किराए पर लिया था। कमला कुरसम ने मकान मालिक को फर्जी आधार कार्ड दिखाया था, जिसमें उसका नाम बदला हुआ था। मकान किराए पर लेने की वजह इलाज बताई गई थी। फिलहाल पुलिस मकान मालिक और उनके संपर्कों की भी जांच कर रही है।

## ओडिशा के कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश की चेतावनी, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

भुवनेश्वर ,27 सितंबर (एजेंसी)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने ओडिशा के कई जिलों में अगले कुछ घंटों के दौरान गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की। मौसम विभाग का कहना है कि इन इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सतही हवाएं चल सकती हैं, साथ ही बिजली गिरने की आशंका भी बनी हुई है।

मौसम विभाग की ओर से जारी अलर्ट के अनुसार पश्चिमी ओडिशा के बलांगीर, बरगढ़ और नुआपाड़ा जिलों में विशेष रूप से खराब मौसम की संभावना है। इसके अलावा, चेतावनी का दायरा बढ़ाते हुए बालेश्वर,

भद्रक, कटक, ढेंकेनाल, जगतसिंहपुर, जाजपुर, केंद्रापड़ा, क्योंझर, खोरधा, मयूरभंज, नबरंगपुर और पुरी जिलों को भी अलर्ट पर रखा गया है।

आईएमडी ने सभी प्रभावित जिलों के निवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी है। विभाग ने लोगों से अपील की है कि गरज-चमक और बिजली गिरने के दौरान खुले स्थानों पर जाने से बचें, सुरक्षित स्थानों में शरण लें और अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें। विभाग ने किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वालों को भी सावधान रहने और सुरक्षा उपाय अपनाने की हिदायत दी है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि इन जिलों में अचानक मौसम बिगड़ सकता है, इसलिए लोग सतर्कता बरतें और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। इसके अलावा, तेलंगाना में भी भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी ने कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। तेलंगाना के सभी जिलों में अलग-अलग स्थानों पर बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ तूफान आने की संभावना है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मौसम विभाग के पूर्वानुमान को देखते हुए सभी विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

## रेलवे ट्रेक पर मवेशी से टकराकर टूटी वंदेभारत ट्रेन की नोज, इंजन को कोई नुकसान नहीं

रायपुर,27 सितंबर (एजेंसी)। नागपुर से बिलासपुर जा रही वंदेभारत ट्रेन की चपेट में गुरुवार को राजधानी के कोटा फाटक के पास मवेशी आ गया। इस वजह से ट्रेन आधे घंटे तक खड़ी रही। इंजीनियरों की जांच के बाद ट्रेन को बिलासपुर के लिए रवाना किया गया। दुर्घटना में किसी यात्री के चोटिल होने का समाचार नहीं है। रेलवे के अनुसार शाम 5.50 बजे वंदेभारत की नोज से मवेशी टकरा गया। चालक ने गाड़ी रोकी। रेलवे की टीम मौके पर पहुंची। इंजन की जांच में सब कुछ सही पाए जाने पर ट्रेन को 6.20 पर रवाना कर दिया गया। इस दौरान कुछ ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वंदेभारत हाईस्पीड ट्रेन है। इसलिए उसके इंजन की बाहरी नोज कालेप्सबल (खुलने-बंद होने वाली) बनाई जाती है। इससे किसी टकराव के कारण इंजन की मूल संरचना पर असर नहीं पड़ता।

## वाह वाह

पति- ना कजरे की धार ना मोतियों के हार ना कोई किया श्रृंगार
फिर भी कितनी सुंदर हो, तुम कितनी सुंदर हो

पत्नी- सीधे-सीधे बोलो न कि ब्यूटी पार्लर के लिए पैसे नहीं दोगे.....

पत्नी- मैं कैसी लग रही हूं?

पति- जान ही लेनी थी, तो मांग लेती पगली

यूं बिना मेकअप के आने की क्या जरुरत थी.....

## बिलासपुर में मीनाक्षी ट्रेडर्स के संचालकों के ठिकानों पर ईडी की दबिश, जांच जारी

बिलासपुर,27 सितंबर (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने शुक्रवार तड़के बिलासपुर में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने बिलासपुर के बड़े व्यापारी मीनाक्षी ट्रेडर्स संचालकों सुल्तानिया परिवार के क्रांति नगर स्थित आवासीय और कारोबारी ठिकानों पर दबिश दी। टीम ने तड़के, दुकान व घर को घेर लिया और बंद कमरों में दस्तावेजों की तलाशी तथा पूछताछ की प्रक्रिया शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, सुल्तानिया परिवार के मकान महावीर नगर मंगला चौक के पास में भी स्थित हैं्द्य लेकिन वहां ईडी की टीम नहीं पहुंची। छापेमारी फिलहाल केवल क्रांति नगर स्थित घरों और ठिकानों तक सीमित रही। महावीर नगर क्षेत्र में किसी भी तरह की दबिश या तलाशी की खबर नहीं है। छापेमारी वित्तीय लेन-देन और संभावित कोयला कारोबार से जुड़ी गड़बड़ियों के सुरागों पर केंद्रित है। हालांकि, रायपुर ईडी ने अभी तक इस कार्रवाई से जुड़ा कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

# एसईसीएल ने स्वच्छता ही सेवा - स्वच्छोत्सव 2025 के अंतर्गत लगातार पांचवें वर्ष अरपा नदी घाट पर चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

बिलासपुर, 26 सितंबर (एजेंसी)। स्वच्छता ही सेवा - स्वच्छोत्सव 2025 अभियान के अंतर्गत, एसईसीएल ने 1 घंटा - 1 दिन - 1 साथ गतिविधि के तहत बिलासपुर स्थित अरपा नदी के छठ घाट पर विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया।

लगातार पाँचवें वर्ष आयोजित इस पहल में एसईसीएल परिवार के करीब 100 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

सीएमडी हरीश दुहन के नेतृत्व एवं अधिकारियों की उपस्थिति में टीम एसईसीएल ने अरपा नदी तट को साफ-सुथरा बनाने सफाई अभियान चलाया।

स्वयंसेवकों ने घाट परिसर से कचरा एकत्र कर बैग्स में भरा, प्लास्टिक बोतलें और अन्य अपशिष्ट हटाए। एक घंटे की इस सामूहिक मेहनत से न केवल घाट का स्वरूप निखरा, बल्कि स्थानीय लोगों को स्वच्छता का सशक्त संदेश भी मिला।

सीएमडी हरीश दुहन ने कहा -एसईसीएल केवल उत्पादन ही नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी में भी अग्रणी है। स्वच्छता अभियान हमें यह सिखाता है कि जब हम सब एक साथ आते हैं तो सकारात्मक बदलाव अवश्य संभव है। अरपा नदी के प्रति यह हमारी आस्था और जिम्मेदारी दोनों है। इस अभियान के दौरान स्वयंसेवकों ने स्वच्छता ही सेवा है का नारा लगाते हुए सामूहिक रूप से स्वच्छ और स्वस्थ समाज की दिशा में कदम बढ़ाने का आह्वान किया। एसईसीएल का यह प्रयास न केवल नदी और घाट की स्वच्छता तक सीमित है, बल्कि समाज में जन-जागरूकता और नागरिक उत्तरदायित्व को भी प्रोत्साहित करता है।

# श्रद्धा महिला मंडल द्वारा नवरात्रि उत्सव का आयोजन

बिलासपुर, 26 सितंबर (एजेंसी)। श्रद्धा महिला मंडल द्वारा रविंद्र भवन, वसंत विहार में एसईसीएल की महिला संविदा कर्मियों के साथ नवरात्रि उत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन जी एवं उपाध्यक्षाओं के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य इन कर्मठ महिलाओं के कार्यों को सम्मान देना था।

इस अवसर पर नेहरू शताब्दी कॉलोनी, वसंत विहार कॉलोनी एवं इंद्रा विहार कॉलोनी में कार्यरत लगभग 80 महिला संविदा कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ दुर्गा की आराधना से हुआ। इसके पश्चात अतिथि बहनों ने भक्ति भाव से माँ दुर्गा के भजनों की प्रस्तुति दी जिससे पूरा सभागार भक्तिमय हो गया। इन बहनों ने गरबा एवं डांडिया की प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। साथ ही अनेक मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिनमें सभी ने उत्साह से भाग लिया। इस दौरान 'डांडिया क्वीन' प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें तीन विजेताओं का चयन किया गया। सभी महिला संविदा कर्मियों को उनके अमूल्य योगदान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए श्रीमती शशि दुहन जी के साथ श्रीमत इप्सिता दास, श्रीमान विनीता जैन एवं श्रीमती सुभश्री महापात्रा ने उपहार स्वरूप स्मृति चिन्ह भेंट किए। अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहान भाभी जी ने इन कर्मठ बहनों की समर्पण एवं परिश्रम की सराहना की और उनके कार्यों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। इस अवसर पर संविदा बहनों ने भी इस विशेष आयोजन के लिए श्रद्धा महिला मंडल का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में श्रद्धा महिला मंडल की कमेटी की सदस्याओं के साथ अन्य सदस्यगण भी उपस्थित रहीं एवं सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

## महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सेवा भारती में निवासरत बच्चों की ली जानकारी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े आज एक दिवसीय कोरबा प्रवास पर रही। इस दौरान उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विशेषीकृत दत्तकग्रहण अभिकरण-सेवा भारती का अवलोकन किया और यहाँ निवासरत बच्चों के सम्बंध में जानकारी ली। उन्होंने यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और बाल कल्याण समिति, जिला बाल संरक्षण इकाई से चर्चा कर बच्चों को मिल रही सुविधाओं से अवगत हुई। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने उनके प्रयासों की सराहना की। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने विभाग के गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि महतारी वंदन योजना से महिलाओं को लाभ मिला है। आर्थिक समृद्धि के साथ आत्मनिर्भर बनने की राह आसान हुई है और खुशहाली का वातावरण निर्मित हुआ है। इस दौरान विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, डीपीओ श्रीमती रेणु प्रकाश सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा विभाग के अधिकारी, प्रतिनिधि उपस्थित थे।

# एचटीपीएस चिकित्सालय के नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में 105 लोगों ने उठाया जांच व परामर्श का लाभ

कोरबा (छ.ग.गौरव)। हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम के विभागीय चिकित्सालय में सेवा पखवाड़ा के तहत 25 सितंबर को नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर में मस्तिष्क एवं नस रोग विशेषज्ञ (न्यूरो सर्जन) डॉ. प्रदीप त्रिपाठी एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ (आर्थोपेडिक सर्जन) डॉ. श्रेयस घुगुसकर का मुख्य अभियंता श्री पीके श्रीवास्तव ने स्मृति स्वरूप नन्हा पौधा देकर स्वागत किया। सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित इस नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में न्यूरो से संबंधित 56 एवं हड्डीरोग से जुड़े 49 लोगों ने स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श का लाभ उठाया। शासकीय कार्यक्रम के अनुसार यहां सेवा पखवाड़ा का आयोजन 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक किया जा रहा है।

मस्तिष्क एवं नस रोग विशेषज्ञ (न्यूरो सर्जन) डॉ. प्रदीप त्रिपाठी ने कहा कि लकवा जानलेवा होता है। लक्षण पता चलने पर पहले 6 से 8 घंटे के भीतर उपचार शुरू हो तो मरीज को स्वस्थ किया जा सकता है। इसके लिए लक्षणों की पहचान जरूरी है। इसके लिए बी-फास्ट को पहचानें। इनमें चेहरे, हाथ में कमजोरी एवं आवाज में लड़खड़ाहट के लक्षणों पहचाना जरूरी है। इसके बाद लोगों में सबसे ज्यादा कमरदर्द की शिकायतें रहती हैं। इससे बचने के लिए एक घंटे से ज्यादा एक ही जगह पर न बैठें। उन्होंने डायबिटिक मरीजों को आगाह करते हुए कहा कि नसों में सुन्नपन, जलन एवं दर्द हो तो डॉक्टर से परामर्श जरूर लें।

हड्डी रोग विशेषज्ञ (आर्थोपेडिक सर्जन) डॉ. श्रेयस घुगुसकर ने प्रतिदिन व्यायाम करने पर जोर देते हुए कहा कि व्यायाम करने से हड्डियों को कैल्शियम मिल पाता है। नहीं तो आप कितनी ही दवाइयां खा लीजिए हड्डियों को कैल्शियम नहीं मिलता। 78 बरस से ज्यादा उम्र के व्यक्तियों को चलना व हल्का व्यायाम करना चाहिए। सभी उम्र के व्यक्तियों को सुबह की गुनगुनी धूप अवश्य लेना चाहिए। इससे उन्हें प्राकृतिक रूप से विटामिन डी मिलता रहेगा। इससे हड्डियां मजबूत बनती हैं।

इसके पहले दिन 24 सितंबर को रक्तदान शिविर में 32 लोगों ने हिस्सा लिया। गवर्मेंट मेडिकल कॉलेज, कोरबा से संबद्ध चिकित्सालय के ब्लड सेंटर एवं एचटीपीएस के संयुक्त प्रयास से लगाए इस शिविर में 19 लोगों ने रक्तदान किया। दो दिवसीय चिकित्सा शिविर के आयोजन में संयोजन एवं संचालन अतिरिक्त मुख्य अभियंता (तकनीकी एवं सहायक सेवाएं) कार्यालय की टीम एवं चिकित्सालय प्रशासन ने किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता एमके. गुप्ता, पीके. स्वैन, केएनबी. राव और एससी पाठक उपस्थित रहे। शिविर का लाभ आवासीय कॉलोनी सहित बड़ी संख्या में आसपास के ग्रामीणों ने उठाया।

## राशिफल

मेष राशि: मेष राशि वालों के लिए आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी नए वाहन को खरीदने की इच्छा पूरी होगी, जिससे घर में उत्साह का माहौल बना रहेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ बैठकर किसी मुद्दे को सुलझाने में सफल रहेंगें। आज आप अपने बिजनेस में कुछ नए उपकरणों को शामिल करेंगे, तो आपको अच्छा लाभ अवश्य मिलेगा।

वृषभ राशि: आज का दिन आपके लिए अनुकूल बना रहेगा। आज आपकी किसी खास व्यक्ति से मुलाकात होगी, जिससे मिलकर आपको खुशी होगी। इस राशि के विदेश जाने की इच्छा रख रहे व्यक्तियों को अच्छा मौका मिल सकता है, आपकी फैमली आपको पूरा सपोर्ट करेगी।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज आप अपने काम को बेहतर तरीके से पूरा करेंगें, जिससे आपके काम की तारीफ होगी। आज आप थोड़ा समय एकांत में या किसी धार्मिक स्थान पर बिताएंगे, आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज शाम को आप माता जी से भविष्य को लेकर विचार-विमर्श करेंगे, आपको माता जी का साथ मिलने से खुशी होगी।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज किसी की मदद से आपके सरकारी कार्य बनेंगें। आज आप अपनी संतान के साथ पिकनिक के लिए जा सकते हैं। उनके साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। आज आपके नए व्यक्तियों के साथ सम्पर्क बनेगें, जो आपके व्यापार के लिए लाभदायक साबित होंगें।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप अपने कारोबार को आगे बढ़ाने का विचार कर सकतें हैं। आज आपके ऊपर परिवार की जिम्मेदारी आएंगी, जिसे आप बखूबी पूरा करेंगे। इस राशि के जो छात्र घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, वो आज अपने परिवार से मिल सकते हैं। आज आप परिवार के साथ धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होकर कुछ समय बिताएंगे जिससे आपके मन को शांति मिलेगी।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए आनंदायक रहने वाला है 7 आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने की संभावना बन रही है, आपके किसी काम से बॉस आपसे खुश रहेंगें। आज आपके कॉलेज का मित्र आपसे मिलने आएगा, जिससे मिलकर आपकी पुरानी यादें ताजा होंगी। आज आपके द्वारा किये गए निवेश में आपको अच्छा धन लाभ होगा।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप बिजनेस में अच्छा धन लाभ कमायेंगें, जिससे आपको खुशी मिलेगी7 आज आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। आज आप अपने खर्चों को नियंत्रित करें, जिससे आपको धन संचय करने में आसानी रहे। आज आपको किसी व्यक्ति से जीवन का अहम् सबक सीखने को मिलेगा।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज रोजगार में आपके लिए नए रास्ते खुलेंगें, जिनका लाभ लेकर आप अपनी मंजिल तक पहुँच सकतें हैं। आज ऑफिस में आपको नया प्रोजेक्ट मिलेगा, जिसे पूरा करने में कलीग आपकी सहायता करेंगें। आज पिता का आशिर्वाद आप पर बना रहेगा और अपनी उर्जा से आप बहुत कुछ हासिल करेंगे बस अपनी काबिलियत पर भरोसा रखें।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे और अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखेंगें, तो इससे आपके काम जल्दी निपट जायेंगें। आज आप किसी काम को करने में सफल रहेंगें, जिससे आपको तारीफ मिलेगी। आज आप अपनी भावनाओं को कण्ट्रोल में रखें और बेवजह की चीजों में उलझने से बचें।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज पेंडिंग पड़े कार्यों को पूरा करने का दिन है, इसलिए आप दिन भर का शेड्यूल तैयार कर लें। आज आपका मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है, आप उसे निराश नहीं करेंगे अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहायता करेंगे।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ मिलकर किसी कारोबार की शुरुआत कर सकते हैं। आज आपको संतान से खुशखबरी प्राप्त होगी, ये उनके करियर को लेकर भी हो सकती है। इस राशि की जो महिलाएं बिजनेस कर रही हैं उनका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा, लेकिन शाम का समय अपनी फैमिली के साथ बिताएंगी, जिससे आपको खुशी मिलेगी।



मीन राशि: आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज व्यापारिक से दृष्टि आपका दिन अच्छा है, आज आप बड़ा धन लाभ कमायेंगें। सेहत के लिहाज से आज आप खुद को तंदरुस्त महसूस करेंगे। इस राशि के मार्केटिंग से जुड़े व्यक्तियों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा।

# स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में चलाया गया एक दिन, एक घंटा, एक साथ व्यापक स्वच्छता अभियान

## बिलासपुर स्टेशन में महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के नेतृत्व में आयोजित किया गया यह व्यापक स्वच्छता अभियान

बिलासपुर, 27 सितंबर (एजेंसी)। भारतीय रेलवे द्वारा इस वर्ष 17 सितम्बर से 01 अक्टूबर 2025 तक स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 'स्वच्छता ही सेवा' 2025 अभियान को स्वच्छोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी स्टेशनों, रेलवे परिसरों, कार्यालयों, कार्यस्थलों, कालोनियों एवं ट्रेनों में प्रतिदिन निर्धारित थीम के अनुसार जागरूकता एवं स्वच्छता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में स्वच्छता ही सेवा पहल के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा एक दिन, एक घंटा, एक साथ थीम पर आज बिलासपुर स्टेशन में सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, अपर महाप्रबंधक विजय कुमार साहू, मंडल रेल प्रबंधक राजमल खोईवाल सहित सभी विभागाध्यक्ष, मुख्यालय एवं बिलासपुर रेल मण्डल के अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में कर्मचारियों द्वारा उत्साहपूर्वक श्रमदान के तहत सफाई कर स्वच्छता जागरूकता का संदेश दिया गया। स्टेशन परिसर, प्लेटफार्म, पटरी क्षेत्र एवं आस-पास के सभी गंदे स्थानों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। एक घंटे के इस सामूहिक व्यापक श्रमदान कार्यक्रम में सभी विभागाध्यक्ष, अधिकारीगण सहित रेलकर्मी, सफाई मित्र, स्टेशन सहायकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर इस स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। इस दौरान महाप्रबंधक ने केटरिंग स्टॉल, वाटर बूथ, वाटर कूलर क्षेत्रों में गहन निरीक्षण कर स्वच्छता का जायजा लिया। महाप्रबंधक एवं अधिकारियों द्वारा पटरी क्षेत्र में कचरे संग्रह कर उसका बेहतर निष्पादन किया गया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने कहा की स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि यह हमारी जीवनशैली का हिस्सा बननी चाहिए। स्वस्थ समाज के निर्माण में स्वच्छता का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने उपस्थित स्काउट-गाइड के बच्चों, यात्रियों एवं लोगों से स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने और इसे जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आग्रह किया।

महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने श्रमदान के पश्चात रेलवे स्कूल के बच्चों द्वारा waste to art के तहत तैयार की गई आकर्षक कलाकृतियों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उनकी सृजनशीलता एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक संदेश की सराहना की। इसके साथ ही दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीनों रेल मंडलो, बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर के सभी वर्कशॉप, कार्यस्थलों के साथ ही सभी प्रमुख स्टेशनों पर इस व्यापक स्वच्छता अभियान को चलाया गया। जिसमें विभागों के प्रभारी एवं उनके अधीनस्थ कर्मचारियों सहित कॉलोनीवासियों ने श्रमदान के माध्यम से उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

# मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना हेतु आवेदन आमंत्रित

कोरबा (छ.ग.गौरव)। मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2025-26 अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के प्रतिभावान निम्न आय वर्ग के विद्यार्थी जो राष्ट्रीय स्तर के उच्च व्यावसायिक संस्थानों जैसे - आई.आई.टी., एम्स, आई.आई.एम., एन.एल.यू. एम.बी.बी.एस. जैसे संस्थाओं में शिक्षण सत्र 2025-26 में प्रवेश प्राप्त कर अध्ययन कर रहे हैं उन्हें तात्कालिक सहायता प्रदान किये जाने हेतु विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किया गया है। पात्र विद्यार्थी निर्धारित प्रपत्र में ऑफलाईन आवेदन 25 अक्टूबर 2025 दिन शनिवार शाम 05 बजे तक आवेदक कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कोरबा में जमा कर सकते हैं। उक्त योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए विद्यार्थी कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कोरबा से संपर्क एवं जिले की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डाट कोरबा डाट जीओव्ही डाट इन का अवलोकन कर सकते हैं।

## दो दिवसीय समेकित कीट प्रबंधन पर प्रशिक्षण संपन्न

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कृषि विज्ञान केंद्र लखनपुर कटघोरा, कोरबा में दो दिवसीय मानव संसाधन विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम खरीफ 2025-26 का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय के अंतर्गत केंद्रीय एकीकृत नाशी जीव प्रबंधन केंद्र, रायपुर और कृषि विभाग जिला कोरबा के सयुक्त तत्त्वधान में 22 एवं 23 सितंबर को आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे कुल 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान, किसान उत्पादक संगठन एवं किसान मित्र, महिला समूह के किसान, कृषि विस्तार अधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यालय प्रमुख नीरज कुमार सिंह, उप निदेशक (की. वि.), एस. पी. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, एम. एम. बघेल, सहायक संचालन कृषि के द्वारा किया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थी को नीरज कुमार सिंह, उप-निदेशक (की.वि.) ने धान और सब्जी में लगाने वाले कीट और रोगों के लक्षण और उनके प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इसके अलावा कीटनाशकों का सुरक्षित और उचित उपयोग के बारे मे सभी किसानों को विस्तृत जानकारी प्रदान की। डॉ आशीष जायसवाल, स.व.स.अ (पी.पी.), ने किसानों को बीजोपचार का महत्व और मक्का मे लगने विभिन्न प्रकार के कीड़े और रोगों के लक्षण और उनका प्रबंधन के बारे में बताया। कन्हैया लाल वैज्ञानिक सहायक ने आईपीएम तकनीकों से अवगत कराया गया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का दिल्ली के त्रिनगर स्थित तोताराम बाजार में व्यापारियों से मिलने पहुंचने पर फूलों से स्वागत किया गया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी ने केरल के वायनाड जिले के कलपेट्टा में श्री नारायण धर्म परिपालन ( एसएनडीपी ) योगम कार्यालय में श्री नारायण गुरु को उनके महासमाधि दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मोरक्को के रबात में भारतीय समुदाय के सदस्यों को संबोधित किया।

गुजरात के पोरबंदर में पोरबंदर जेट्टी पर सोमालिया के लिए चावल और चीनी लादते समय एचआरएम एंड संस-पंजीकृत मालवाहक जहाज से धुआँ निकलता हुआ। अधिकारियों ने किसी हताहत की पुष्टि नहीं की है।

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के कटरा में नवरात्रि उत्सव के पहले दिन माता वैष्णो देवी मंदिर के लिए रवाना होने की तैयारी करते तीर्थयात्री दर्शनी ड्योढ़ी पर इंतजार करते हुए।

भुवनेश्वर में ओडिशा विधानसभा के मानसून सत्र के लगातार तीसरे दिन बीजू जनता दल ( बीजेडी ) के सदस्यों ने उर्वरक की कमी और किसानों की दुर्दशा को लेकर अध्यक्ष के आसन के सामने विरोध प्रदर्शन किया।

भाजपा सांसद और अभिनेत्री हेमा मालिनी मेरठ में एक आभूषण शोरूम के उद्घाटन के दौरान दीप प्रज्वलित करती हुई।

# हमास ने फलस्तीनियों को सरेआम मौत के घाट उतारा, भीड़ करती रही नारेबाजी, इस्राइल की मदद का था आरोप

वॉशिंगटन,26 सितंबर ( एजेंसी ) ।हमास के गृह मंत्रालय ने मारे गए तीनों लोगों पर इस्राइल से मिले होने का आरोप लगाया। दूसरी तरफ इस्राइली अखबार इस्राइल हयोम ने कहा कि इस्लामिक जिहाद और मुजाहिद्दीन ब्रिगेड्स ने इस हत्या में भूमिका निभाई।

फलस्तीन के गाजा और वेस्ट बैंक में इस्राइल की तरफ से जारी हमलों के बीच कट्टरपंथी संगठन हमास से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया गया है कि हमास ने रविवार को तीन फलस्तीनी नागरिकों को सरेआम सड़क पर मौत के घाट उतार दिया। जिन लोगों की जान ली गई है, उन पर इस्राइल की मदद करने का आरोप था। हमास से संबंधित टेलीग्राम चैनल पर पोस्ट किए गए इस वीडियो में तीन लोगों को सड़क पर घुटने के बल बैठे देखा जा सकता है। उनकी आंखों पर पट्टी बंधी हुई है, जबकि उनके पीछे तीन बंदूकधारी ऑटोमैटिक बंदूकें लेकर खड़े हैं। इस दौरान बंदूक लिए एक व्यक्ति अरबी में तीनों की मौत का आदेश पढ़ता है। मध्य पूर्व रिपोर्टिंग और विश्लेषण से जुड़ी समिति ने ब्रिटिश अखबार टेलीग्राफ को जो जानकारी उपलब्ध कराई, उसके मुताबिक हमास के लड़ाकों ने कहा, 卐फलस्तीनी क्रांतिकारी

कानून की सामग्री के अनुसार और फलस्तीनी क्रांतिकारी अदालत के आधार पर, उन लोगों के खिलाफ मौत की सजा का फैसला किया गया था जिन्होंने मातृभूमि को धोखा दिया, अपने लोगों को धोखा दिया और अपने उद्देश्य को धोखा दिया, और अपने ही लोगों को मारने के लिए कब्जा करने वालों के साथ हाथ मिलाया।बताया गया है कि तीनों लोगों को सिर पर और शरीर के ऊपरी हिस्से में गोलियां मारी गईं। इसके बाद उनके शव पर कुछ कागज चिपकाए गए, जिनमें अरबी में लिखा था, 卐तुम्हारा धोखा बिना सजा के नहीं होगा। एक कठोर सजा तुम्हारा इंतजार कर रही है।हमास के गृह मंत्रालय ने मारे गए तीनों लोगों पर इस्राइल से मिले होने का आरोप लगाया। दूसरी तरफ इस्राइली अखबार इस्राइल हयोम ने कहा कि इस्लामिक जिहाद और मुजाहिद्दीन ब्रिगेड्स ने इस हत्या में भूमिका निभाई। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब हमास ने फलस्तीन के ही नागरिकों के खिलाफ बर्बरता की है। इससे पहले मई में भी हमास के लड़ाकों ने छह फलस्तीनियों को सरेआम मौत की सजा दी थी। इन पर तब मानवीय सहायता के तौर पर भेजे गए सामान की लूट का आरोप लगा था। 13 अन्य लोगों को उनके पैर पर गोली मारकर सजा दी गई थी।

## ट्रंप से मिलेंगे अरब और इस्लामी देशों के नेता, क्या गाजा को लेकर तीन सूत्रीय प्लान पर कर पाएंगे राजी?

वॉशिंगटन,26 सितंबर ( एजेंसी )। इस्राइली सेना की ओर गाजा में तेज हमले जारी हैं। ऐसे में भारी तबाही और जान-माल के नुकसान से चिंतित कई इस्लामी देशों ने अमेरिका में संयुक्त राष्ट्र महासभा ( यूएनजीए ) की बैठक से इतर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की योजना बनाई है। इन देशों में सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात ( यूएई ), जॉर्डन, तुर्किये, इंडोनेशिया और पाकिस्तान शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इस मुलाकात के दौरान ट्रंप इन इस्लामी देशों के नेताओं और अधिकारियों को गाजा में युद्ध को समाप्त करने की अमेरिका की योजना के बारे में जानकारी देंगे। एक्सिओस% की एक रिपोर्ट में दो अमेरिकी और दो अरब अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि ट्रंप मंगलवार को अरब और इस्लामी देशों के नेताओं के एक समूह से मुलाकात करेंगे। गाजा में स्थायी युद्ध विराम किसका शासन हो, इसके बारे में योजना से अवगत कराएंगे। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप यूएनजीए में अपने भाषण में गाजा को लेकर प्रस्तावों पर भी बात करेंगे या नहीं। उनका यह भाषण इस्लामी देशों के नेताओं से मुलाकात से पहले होगा। क्या है ट्रंप का तीन सूत्रीय प्लान?रिपोर्ट में बताया गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप की योजना में तीन प्रमुख बातें हैं। इनमें पहला बंधकों की रिहाई, दूसरा गाजा

से इस्राइली सेना की वापसी पर बातचीत और युद्ध के बाद गाजा में ऐसा शासन स्थापित करना है, जिसमें हमास की कोई भूमिका न हो। हमास-इस्राइल के बीच युद्ध खत्म करने के लिए इसे अब तक का सबसे ठोस प्रस्ताव माना जा रहा है। इसमें आगे यह भी बताया गया है कि अमेरिका चाहता है कि अरब और मुस्लिम देश गाजा में अपने सैनिक भेजने पर राजी हों। इससे इस्राइल पर गाजा से पीछे हटने का दबाव बन सकेगा और वहां फिर से बसावट और निर्माण का काम शुरू किया जा सकेगा। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने सोमवार को कहा कि उनका देश गाजा में शांति सेना के लिए सैनिक भेजने के लिए तैयार है। ट्रंप चाहते हैं कि इस्राइल गाजा से पीछे हटे और वहां एक अलग इलाका ( एनक्लेव ) बनाया जाए। इस योजना में वह चाहते हैं कि अरब और इस्लामी देशों से पैसा भी आए। उधर, इस्राइल लगातार अपने हमलों की तीव्रता बढ़ा रहा है। जबकि न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में द्वि-राष्ट्र समाधान के समर्थन में फ्रांस, ब्रिटेन सहित कई यूरोपीय देश एक हो चुके हैं। वहीं, गाजा में जनसंहार को लेकर अंतरराष्ट्रीय आलोचनाओं के बावजूद इस्राइल की प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ग्रेटर इस्राइल की अपनी परिकल्पना को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ते दिख रहे हैं।

## ट्रंप के एजेंसियों पर नियंत्रण का विवाद, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट 90 साल पुराने फैसले की करेगा समीक्षा

वॉशिंगटन ,26 सितंबर ( एजेंसी ) ।अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाते हुए राष्ट्रपति ट्रंप को फेडरल ट्रेड कमीशन की सदस्य रेबेका स्लॉटर को हटाने की अनुमति दी। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय 1935 के ऐतिहासिक फैसले की समीक्षा की ओर संकेत करता है, जिससे राष्ट्रपति को स्वतंत्र एजेंसियों पर और अधिक नियंत्रण मिल सकता है।अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक ऐतिहासिक निर्णय में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को स्वतंत्र संघीय एजेंसियों पर ज्यादा नियंत्रण देने का रास्ता खोल दिया। इसके तहत कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए ट्रंप को फेडरल ट्रेड कमीशन ( एफटीएस ) की डेमोक्रेटिक सदस्य रेबेका स्लॉटर को पद से हटाने की अनुमति दे दी है। हालांकि यह मामला अभी पूरी तरह निपटा नहीं है। ऐसे में कोर्ट के कंजरवेटिव जजों ने ट्रंप के पक्ष में फैसला दिया, जबकि जस्टिस एलेना केगन, सोनिया सोतोमेयर और केतानजी ब्राउन जैक्सन ने इसका विरोध किया।

समझिए क्या है पूरा मामला?बता दें कि सुप्रीम कोर्ट अब विचार कर रही है कि 1935 में दिए गए अपने ऐतिहासिक फैसले को पलटा जाए या नहीं। उस फैसले में कोर्ट ने कहा था कि स्वतंत्र एजेंसियों के कमिश्नरों को सिर्फ दुराचार या लापरवाही की स्थिति में ही राष्ट्रपति हटा सकते हैं। इससे इन एजेंसियों को कार्यपालिका से अलग एक स्वायत्त पहचान मिली थी। अब ऐसे में ट्रंप प्रशासन का तर्क है कि राष्ट्रपति को अपने एजेंडे को लागू करने के लिए इन

एजेंसियों पर पूरा नियंत्रण होना चाहिए, यानी वे इन बोर्ड सदस्यों को किसी भी कारण से हटा सकें।ऐसे में अगर सुप्रीम कोर्ट 1935 के फैसले को पलटती है, तो अमेरिका की कई स्वतंत्र संस्थाएं जैसे श्रम, उपभोक्ता संरक्षण और संघीय कर्मचारियों के अधिकारों से जुड़ी एजेंसियां राष्ट्रपति के सीधे नियंत्रण में आ जाएंगी। इससे कार्यपालिका की शक्ति काफी बढ़ जाएगी और इन एजेंसियों की स्वतंत्रता पर बड़ा असर पड़ेगा।क्या रहा विरोध में खड़े जजों का तर्क?हालांकि दूसरी ओर इस फैसले के विरोध में रहने वाली जस्टिस केगन ने अपने असहमति पत्र में लिखा कि सभी मानते हैं कि कांग्रेस ने इन अधिकारियों को हटाने पर रोक लगाई थी। फिर भी बहुमत ने धीरे-धीरे सभी एजेंसियों पर राष्ट्रपति का पूरा नियंत्रण सौंप दिया है।

## डेनमार्क के बाद नॉर्वे के ओस्लो एयरपोर्ट के ऊपर उड़ान भरते देखे गए ड्रोन, घंटों बाधित रहे एयरस्पेस

वॉशिंगटन ,26 सितंबर ( एजेंसी ) । अधिकारियों के मुताबिक, डेनमार्क के एयरपोर्ट के ऊपर सोमवार को दो से तीन बड़े ड्रोन्स देखे गए। अभी यह साफ नहीं है कि यह ड्रोन्स किस तरह के थे या कहां से भेजे गए थे।

पोलैंड और एस्टोनिया में संदिग्ध रूसी ड्रोन्स देखे जाने के बाद यूरोप में चिंता का माहौल है। इस बीच डेनमार्क की राजधानी कोपनहेगन में सोमवार देर रात कुछ ड्रोन्स देखे जाने के बाद हड़कंप मच गया। पुलिस और एयरपोर्ट अधिकारियों ने एक न्यूज एजेंसी को बताया कि ड्रोन्स देखे जाने के बाद 15 से ज्यादा उड़ानों का मार्ग बदला गया। इस बीच सोमवार देर रात ही नॉर्वे के ओस्लो हवाई अड्डे के पास भी एक ड्रोन के देखे जाने की खबरें आई हैं, जिसके चलते एयरपोर्ट के ऊपर पूरे हवाई क्षेत्र को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, डेनमार्क के एयरपोर्ट के ऊपर सोमवार को दो से तीन बड़े ड्रोन्स देखे गए। अभी यह साफ नहीं है कि यह ड्रोन्स किस तरह के थे या कहां से भेजे गए थे। हालांकि, इनकी पहचान होते ही फ्लाइट्स की तुरंत लैंडिंग करा ली गई और उड़ान भरने जा रहे विमानों का टेकऑफ रोक दिया गया। कुछ अन्य विमानों को दूसरे एयरपोर्ट डायवर्ट कर दिया गया।यूरोकंट्रोल के मुताबिक, कम से कम 50 उड़ानों को अब तक रद्द किया जा चुका है, जबकि 50 से ज्यादा फ्लाइट दूसरे एयरपोर्ट्स भेजी गई हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटरडार24 के मुताबिक, कोपनहेगन जाने वाले कम से कम 35 विमानों को अपना मार्ग बदलना पड़ा है।एयरपोर्ट की तरफ से एक्स पर किए गए एक पोस्ट के मुताबिक कोपनहेगन हवाई अड्डे के आसपास रात 11-12 के बीच भी हवाई संचालन बाधित रहा। इसके चलते डेनमार्क की राजधानी जाने वाली अधिकतर फ्लाइट्स को या तो दूसरे एयरपोर्ट रवाना किया गया है या रद्द कर दिया गया है। ओस्लो एयरपोर्ट पर भी ड्रोन दिखा, हवाई सेवाएं रोकी गईंदूसरी तरफ नॉर्वे की राजधानी ओस्लो के एयरपोर्ट के ऊपर भी एक संदिग्ध ड्रोन के उड़ान भरते देखे जाने की खबरें हैं। नॉर्वे के एयरपोर्ट संचालक एविनोर के मुताबिक, गार्डेमोएन एयरपोर्ट के ऊपर हवाई क्षेत्र को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल ड्रोन की लोकेशन का पता लगाया जा रहा है, हालांकि इसके पायलट का अब तक पता नहीं चल पाया है। बताया गया है कि इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनसे मध्य ओस्लो में प्रतिबंधित सैन्य क्षेत्र में ड्रोन उड़ाने के आरोप में पूछताछ जारी है

## श्रीलंका दौरे पर कोलंबो पहुंचे भारतीय नौसेना प्रमुख, रक्षा सहयोग-समुद्री सुरक्षा पर होगी चर्चा

कोलंबो ,26 सितंबर ( एजेंसी ) । नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश

त्रिपाठी अपने चार दिन के श्रीलंका दौरे कोलंबो पहुंचे। जहां वे प्रधानमंत्री डॉ हरिनी अमरसूर्या और सेना के शीर्ष अधिकारियों से मिलकर समुद्री सुरक्षा, क्षमता वृद्धि व प्रशिक्षण पर द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। वे गॉल डायलॉग 2025 में भी हिस्सा लेंगे, जहां हिंद महासागर के बदलते परिदृश्य पर विचार होगा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी चार दिवसीय दौरे पर श्रीलंका रवाना हो गए हैं। इस दौरे में एडमिरल त्रिपाठी श्रीलंका की प्रधानमंत्री डॉ हरिनी अमरसूर्या से मुलाकात करेंगे। साथ ही रक्षा सहयोग पर श्रीलंका के तीनों सेना अध्यक्षों के साथ उनकी द्विपक्षीय चर्चा भी होगी, जिनमें समुद्री सुरक्षा, क्षमता वृद्धि, प्रशिक्षण और सहयोग की मजबूती पर ज़ोर दिया जाएगा।

नौसेना प्रमुख कोलंबो में गॉल डायलॉग 2025 के 12वें संस्करण में भी भाग लेंगे। इस अंतर्राष्ट्रीय सामुद्रिक सम्मेलन का विषय 'मैरिटाइम आउटलुक ऑफ द इंडियन ओशन अंडर चेंजिंग डायनैमिक्स' रखा गया है। भारतीय नौसेना श्रीलंका की नौसेना के साथ नियमित रूप से वार्षिक रक्षा वार्ता, स्टाफ वार्ता और अन्य ऑपरेशनल चर्चा करती है। भारतीय और श्रीलंकाई नौसेनाओं के बीच साझा नौसैनिक अभ्यास ( स्लिनेक्स ), जलमार्ग अभ्यास, प्रशिक्षण और हाइड्रोग्राफी संबंधी सहयोग भी हैं।

इसके अलावा दोनों नौसेनाएं इंडियन ओशन नेवल सिम्पोज़ियम, गॉल डायलॉग, मिलान, गोवा मैरिटाइम कॉन्क्लेव, कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव जैसे बहुपक्षीय कार्यक्रमों में भी भाग लेती हैं। भारतीय नौसेना का स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस सतपुड़ा भी रविवार को कोलंबो पहुंचा है। इस दौरान सतपुड़ा के चालक दल अपने श्रीलंकाई समकक्षों के साथ साझा नौसैनिक अभ्यास करेगा। साथ ही दोनों पक्षों के बीच योगाभ्यास और दोस्ताना खेलकूद सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।क्यों अहम है भारत-श्रीलंका सहयोग?नौसेना प्रमुख की श्रीलंका यात्रा दोनों देशों के बीच सामरिक सहयोग बढ़ाने के लिए हो रही है।

## मुझे अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए थी, बाइडन को फिर राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से न रोकने पर हैरिस को अफसोस

वॉशिंगटन ,26 सितंबर ( एजेंसी )। अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि उन्हें जो बाइडन को 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में दोबारा न उतरने की सलाह देनी चाहिए थी। लेकिन उस समय उन्होंने ऐसा नहीं किया, जिसका उन्हें अब अफसोस है। कमला हैरिस का कहना है कि उस वक्त ज्यादातर अमेरिकी मानते थे कि जो बाइडन उम्रदराज हो चुके हैं और राष्ट्रपति पद का दूसरा कार्यकाल संभालना उनके लिए बेहद कठिन होगा। राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद पहली बार एक न्यूज चैनल से लाइव इंटरव्यू में कमला हैरिस ने सोमवार को कहा, %मेरे पास एक खास जिम्मेदारी थी, जिसे मुझे निभाना चाहिए था। मैंने उस समय अपने मन की बात खुलकर नहीं कही।अपनी किताब में भी हैरिस ने किया जिक्रकमला हैरिस ने हाल ही में %107 डेज नाम की किताब लिखी है, जिसमें उन्होंने विस्तार से बताया है कि बाइडन के चुनाव से हटने के बाद कैसे उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की कमान संभाली। किताब में उन्होंने लिखा कि व्हाइट हाउस में हर कोई यही कहता था कि

चुनाव लड़ने या न लड़ने का फैसला सिर्फ %जो और जिल बाइडन का निजी निर्णय% है। लेकिन अब उन्हें लगता है कि यह सिर्फ बाइडन दंपत्ति का व्यक्तिगत फैसला नहीं होना चाहिए था। उन्होंने कहा, %क्या वह शालीनता थी या लापरवाही? अब पीछे मुड़कर देखती हूं, तो लगता है कि यह लापरवाही थी। बहुत बड़ा दांव था। यह किसी एक व्यक्ति के अहंकार या महत्वाकांक्षा का विषय नहीं होना चाहिए था। यह एक बड़ी राजनीतिकजिम्मेदारी का मामला था।कमला हैरिस ने खुद पर डाली जिम्मेदारीइस दौरान कमला हैरिस ने साफ कहा कि जब वे लापरवाही शब्द का इस्तेमाल करती हैं, तो उसमें सबसे बड़ा इशारा खुद की तरफ होता है। उन्होंने माना कि उस समय उन्हें राष्ट्रपति जो बाइडन से खुलकर कहना चाहिए था कि वे दोबारा चुनाव न लड़ें। लेकिन ऐसा न कर पाने की वजह बताते हुए उन्होंने कहा, मुझे डर था कि अगर मैं यह कहूंगी, तो लोग समझेंगे कि मैं खुद राष्ट्रपति पद के लिए मैदान तैयार कर रही हूं। यह पूरी तरह स्वार्थी कदम माना जाता।% हैरिस ने याद दिलाया कि 2020 में उन्होंने राष्ट्रपति पद की डेमोक्रेटिक नामांकन की दौड़ में बाइडन के खिलाफ चुनाव लड़ा था, बाद में उन्होंने उपराष्ट्रपति का पद संभाला।बाइडन के हटने के बाद भी मुश्किलें2024 के चुनाव में शुरुआती महीनों में बाइडन ने चुनाव लड़ने का एलान किया था। लेकिन बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य को लेकर पार्टी के भीतर और बाहर से दबाव बढ़ता गया। आखिरकार उन्होंने जुलाई 2024 में चुनावी दौड़ से हटने का फैसला किया। इसके बाद हैरिस को पार्टी की ओर से आधिकारिक उम्मीदवार बनाया गया। हालांकि, रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव में जीत हासिल की।

हैरिस का आत्ममंथन

कमला हैरिस ने कहा कि जब वह अब पीछे मुड़कर देखती हैं, तो उन्हें लगता है कि बाइडन का चुनाव लड़ने का फैसला व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से जुड़ा था और इसे रोकने के लिए पार्टी नेतृत्व को हस्तक्षेप करना चाहिए था। %यह सिर्फ एक व्यक्ति का निजी फैसला नहीं होना चाहिए था। देश और पार्टी के भविष्य का सवाल था। मुझे इस बारे में और स्पष्टता से बोलना चाहिए था, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया। यह मेरी सबसे बड़ी गलती रही।बहुत बड़ा दांव था। यह किसी एक व्यक्ति के अहंकार या महत्वाकांक्षा का विषय नहीं होना चाहिए था। यह एक बड़ी राजनीतिकजिम्मेदारी का मामला था।कमला हैरिस ने खुद पर डाली जिम्मेदारीइस दौरान कमला हैरिस ने साफ कहा कि जब वे लापरवाही शब्द का इस्तेमाल करती हैं, तो उसमें सबसे बड़ा इशारा खुद की तरफ होता है।

## सम्पादकीय...

# पाकिस्तान-सऊदी रक्षा समझौता

गत 17 सितंबर को पाकिस्तान और सऊदी अरब में एक रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौता हुआ है। इस समझौते का एक महत्त्वपूर्ण पहलू इसकी वह प्रतिबद्धता है कि किसी भी देश पर हुआ हमला दोनों देशों पर आक्रमण माना जाएगा। माना जा रहा है कि खाड़ी देशों के लिए सुरक्षा से जुड़े जोखिम और इजरायल के खतरे ने सऊदी अरब को इस दिशा में सोचने के लिए प्रेरित किया तो पाकिस्तान की ऐसी कोई भी सोच हमेशा भारत केंद्रित होती है। आपरेशन सिंदूर के बाद वह अपने समीकरण नए सिरे से तय करने में जुटा है और यह समझौता भी उसी रणनीति का हिस्सा लगता है। सऊदी-पाकिस्तान के संबंधों की जड़ें बहुत गहरी और पुरानी हैं। यहां तक कि पाकिस्तान निर्माण के पहले से ही सऊदी अरब ने एक तरह से उसका समर्थन शुरू कर दिया था। प्रिंस फैसल ने 1946 में संयुक्त राष्ट्र के मंच पर मुस्लिम लीग की पाकिस्तान परियोजना की पैरवी की थी। सऊदी अरब पाकिस्तान को संप्रभु देश की मान्यता देने वाले शुरुआती देशों में से एक था। सऊदी अरब के प्रिंस सुलतान ने तो 1960 के दौरान यह तक कहा कि पाकिस्तान हमारा सबसे परम मित्र है और हमें जब भी सैन्य मदद की आवश्यकता होती है तो उस पर ही सबसे अधिक भरोसा रहता है। दोनों देशों के सामरिक रिश्तों में इजरायल भी एक पहलू रहा है। उनके बीच पहले औपचारिक रक्षा समझौते की बात करें तो यह 1967 में हुआ। इसमें पाकिस्तान के सैन्य सलाहकारों ने सऊदी सशस्त्र बलों के विस्तार और आधुनिकीकरण में मदद की। भारत के लिए महत्त्वपूर्ण कश्मीर मुद्दे पर सऊदी अरब पाकिस्तान के पीछे खड़ा रहा। 1965 के युद्ध के दौरान सऊदी ने पाकिस्तान को न केवल विभिन्न प्रकार की सामग्रियां उपलब्ध कराईं, बल्कि कूटनीतिक आड़ और हरसंभव सहयोग दिया। 1971 के युद्ध और बांग्लादेश संकट के दौरान भी उसका यही रवैया दिखा। उस दौरान सऊदी राजदूत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत की कार्रवाइयों को निशाना बनाते हुए कहा था कि पाकिस्तान के आंतरिक मामलों में कोई भी बाहरी हस्तक्षेप यूएन चार्टर का उल्लंघन होगा। बांग्लादेश निर्माण के बाद भी सऊदी ने उसे मान्यता देने में हिचक ही दिखाई और पाकिस्तान के रुख की प्रतीक्षा करता रहा। कश्मीर में पाकिस्तान की नापाक हरकतों के बावजूद सऊदी मौन रहा और उलटे भारत पर शांतिपूर्ण समाधान के लिए दबाव बनाता रहा। हालांकि अनुच्छेद 370 की समाप्ति के समय जरूर सऊदी अरब ने कुछ तटस्थ रुख अपनाया। इसमें भारत की बढ़ते आर्थिक कद की भी भूमिका रही, जिसका लाभ सऊदी भी उठा रहा है। बेहद मुश्किल आर्थिक हालात से जूझ रहे पाकिस्तान को सऊदी से मिलने वाली वित्तीय सहायता बड़ी राहत देगी। मुस्लिम जगत से जुड़े भू-राजनीतिक ढांचे में भी वह अपना कद बढ़ाने के प्रयास करेगा। सऊदी अरब के लिहाज से यह एकदम स्पष्ट है कि उसकी मंशा ईरान और इजरायल के खिलाफ अपनी ढाल और मजबूत करना है। वहीं पाकिस्तान भारत की बढ़ती शक्ति और प्रभाव की काट चाहता है। इससे ऐसी आशंका बढ़ जाती है कि भविष्य में पाकिस्तान के साथ किसी संघर्ष में भारत को खाड़ी देशों को लेकर और सतर्क रहना होगा, क्योंकि ऐसे टकराव में उनकी भूमिका कुछ बढ़ी हुई दिख सकती है। इस समझौते पर अपनी सधी हुई प्रतिक्रिया में भारत ने यही कहा है कि उम्मीद है कि सऊदी अरब भारत की संवेदनाओं को समझेगा। भारत ने यह भी दोहराया कि राष्ट्रीय हित और सुरक्षा उसकी प्राथमिकता है, जिसके साथ कोई समझौता नहीं। अस्तित्व में आने से पहले से लेकर आज तक पाकिस्तान भारत का विरोध करता चला आ रहा है। सऊदी अरब ने पाकिस्तान की सहायता उस समय भी की जब पाकिस्तान अभी अस्तित्व में भी नहीं था। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में आये परिवर्तन के कारण आज सऊदी अरब के भारत के साथ मजबूत रिश्ते हैं। बात अगर मुस्लिम भाईचारे की करें तो सऊदी अरब भारत से अधिक पाकिस्तान को ही प्राथमिकता देगा, जैसे अतीत में उसने दी। बढ़ रही अराजकता और आर्थिक स्थिति से कमज़ोर होते पाकिस्तान ने रूस, चीन, अमेरिका, बांग्लादेश इन सभी से समझौते हाल ही में किए गए हैं। यह भारतीयों पर मानसिक दबाव को बढाने की नीति है। भारत को पाकिस्तान द्वारा अपनाई इस प्रकार की रणनीति के प्रति सतर्क रहते हुए अपनी रणनीति बनानी होगी। पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन सिन्दूर' के बाद अपनी अंतरराष्ट्रीय रणनीति में जो बदलाव किए हैं उससे स्पष्ट है कि वह भारत पर दबाव बढ़ाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने हित साधने के साथ-साथ पाकिस्तान वासियों का ध्यान आंतरिक अराजकता व देश के आर्थिक मुद्दों से हटाने की कोशिश भी कर रहा है। पाकिस्तान-सऊदी समझौते का जवाब सैन्य व आर्थिक तथा राजनीतिक दृष्टि से एक मजबूत भारत ही है।

# प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच

**डॉ. आर. बालसुब्रमण्यम**

देश लोक प्रशासन में सुधार के अभूतपूर्व प्रयास कर रहा है। अब न केवल अधिकारियों के प्रशिक्षण के तरीके बदल रहे हैं, बल्कि उनकी सेवा के मायनों में भी बदलाव आ रहा है। मिशन कर्मयोगी-लोक सेवा क्षमता निर्माण का राष्ट्रीय कार्यक्रम है और इस बदलाव में इंजन की भूमिका निभा रहा है। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच झलकती है। 25 वर्षो से अधिक समय तक सरकार चलाने और पांच दशकों से अधिक सार्वजनिक जीवन का अनुभव रखने वाले मोदी, व्यवस्थाओं के प्रति एक संचालक जैसी समझ, जड़ आदतों के प्रति एक सुधारक जैसी अधीरता, और ध्रुव तारे की तरह स्पष्ट-नागरिक-प्रथम, विकसित भारत के उद्देश्य को सामने रखते हैं।

मिशन कर्मयोगी की खासियत यह है कि यह केवल दिखावे भर के लिए मानव संसाधन सुधार नहीं है। यह देश की लोक सेवाओं की मूल्य-आधारित परिवर्तनकारी पुनर्रचना है और इसका मुख्य ध्यान प्रदशर्न पर है। यह कार्यक्रम तीन निर्णायक बदलावों को संहिताबद्ध करता है: पहला बदलाव; सरकारी अधिकारियों की मानिसकता में बदलाव है, यानी स्वयं को कर्मचारी मानने से लेकर कर्मयोगी मानने तक का सफर है। दूसरा बदलाव; कार्यस्थल में बदलाव है, इसमें प्रदशर्न के लिए व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी सौंपने से लेकर प्रणालीगत प्रदशर्न बाधाओं का निदान और उन्हें दूर करने तक का बदलाव शामिल है। तीसरा बदलाव; सार्वजनिक मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली और उससे जुड़ी क्षमता निर्माण प्रणाली को नियम-आधारित से भूमिका-आधारित बनाना है।

यह संरचना स्पष्ट रूप से मोदी के इक्कीसवीं सदी के शासन की मांगों के दूरदर्शी ढांचे से उभर कर सामने आई है। यह जीवंत नेतृत्व का परिणाम है। मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के रूप में, मोदी ने एक समग्र सरकारी संस्कृति को बढ़ावा दिया-अलग-अलग क्षेत्रों में अलगाव को खत्म किया, मंत्रियों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में बहस पर बल दिया, और फाइलों को आगे बढ़ाने की बजाय सिस्टम समाधानों को प्राथमिकता दी। यह भावना महामारी के दौरान दिखाई दी, जब सरकार, उद्योग, नागरिक समाज और नागरिक स्वयंसेवकों के सभी स्तरों पर 'टीम इंडिया' एक साझेदारी मॉडल के रूप में आगे बढ़ी। उन्होंने नेतृत्व की आदतों को संरचनाओं में भी ढाला। जो चिंतन शिविर-आवासीय, पदानुक्रम-समतल विचार-मंथन सत्र-गुजरात में शुरू किए गए थे वे अब केंद्र सरकार की कार्यपुस्तिका का हिस्सा हैं। निरंतर सीखने पर उनका बल व्यक्तिगत है। अपने ज्ञान और कौशल का निरंतर विस्तार करने के अलावा, वे यह भी जांचने के लिए जाने जाते हैं कि क्या प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारी आईजीओटी डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। संस्थागत स्मृति के साथ उनके व्यवहार में बहुत समावेशीता है। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद, उन्होंने मंत्रियों से दशकों तक एक तरह से व्यवस्था से भली-भांति परिचित अपने सहायकों और अनुभाग अधिकारियों से सीखने का आग्रह किया।

जमीनी स्तर पर, सुधार की रीढ़ उद्देश्यपूर्ण तकनीक है। आईजीओटी-कर्मयोगी प्लेटफॉर्म एक व्यापक, कभी भी और कहीं भी सीखने का ईको सिस्टम है। इसमें 3,000 से ज्यादा स्व-प्रगति पाठ्यक्रम हैं जो सभी के लिए सुलभ हैं और सीखने को लोकतंत्रात्मक बनाते हैं। मिशन कर्मयोगी प्राचीन सभ्यतागत ज्ञान को आधुनिक शासन-कला के साथ जोड़ता है-विकास, गर्व, कर्तव्य और एकता जैसे संकल्पों के साथ-साथ स्वाध्याय, सहकार्यता, राजकर्म और स्वधर्म ( नागरिकों पर ध्यान ) जैसे व्यक्तिगत गुणों को भी समाहित करता है। यह कोई पुरानी यादें नहीं हैं; यह उच्च तकनीक युग के लिए एक व्यावहारिक नैतिकता है, जो यह सुनिश्चित करती है कि योग्यता चरित्र में समाहित हो। नागरिक-केंद्रितता-जनभागीदारी-दूसरा स्तंभ है। प्रधानमंत्री मोदी बार-बार इस बात पर जोर देते रहे हैं कि प्रत्येक सार्वजनिक निर्णय के केंद्र में नागरिक होने चाहिए। यही उनका शासन मंत्र है। व्यवहार में नागरिक सहभागिता दोतरफा समझौता बन जाती है। नीति और क्रियान्वयन में लोगों की भागीदारी होती है और अधिकारी अंतिम छोर पर खड़े अंतिम नागरिक की सेवा के लिए तैयार होते हैं। मिशन कर्मयोगी इस समझौते के लिए मानसिकता और तरीके विकसित करने का राज्य का साधन है।

आत्मनिर्भरता इसकी पूरक है। यह एकाकीपन नहीं है; यह खुलेपन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा से प्रेरित क्षमता और आत्मविश्वास है। यही दृष्टिकोण क्षमता निर्माण के प्रयासों और माईगव जैसे प्लेटफॉर्म के व्यापक प्रसार में भी दिखाई देता है, जो नागरिकों को निष्क्रिय प्राप्तकर्ता नहीं, बल्कि सह-निर्माता बनाता है। यह कथा भारत के सभ्यतागत लोकाचार में निहित है-और संस्थानों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता ( एआई ) के युग में फलने-फूलने के लिए तैयार करती है। सीधे शब्दों में कहें तो, मिशन कर्मयोगी एक दूरदर्शी विचार को एक व्यवस्था में बदल देता है।

यह प्रधानमंत्री मोदी के शासन के लंबे दायरे-उनकी सीमाओं को तोड़ने की सहज प्रवृत्ति, तकनीक के साथ उनका सहज व्यवहार, संस्थागत स्मृति के प्रति उनके सम्मान और उनकी नैतिक शब्दावली-को एक दोहराए जाने योग्य संचालन मॉडल में बदल देता है: भूमिका-आधारित मानव संसाधन; निरंतर, डिजिटल शिक्षा; नागरिक भागीदारी; और सभ्यता पर आधारित नैतिकता इसमें समाहित हैं। इस तरह आप किसी देश को भविष्य के लिए तैयार करते हैं। अगर भारत इसी राह पर चलता रहा, तो इसका फायदा सिर्फ तेज गति से आगे बढ़ने वाली काम की फाइलों और व्यवस्थित संगठनात्मक चार्ट में ही नहीं, बल्कि भरोसे में भी दिखेगा। नागरिक एक ऐसी सरकार का अनुभव करेंगे जो सुनती है, सीखती है और काम करती है। यही प्रधानमंत्री मोदी के दांव का मूल है। और यही वजह है कि मिशन कर्मयोगी, हाल के दशकों के किसी भी प्रशासनिक सुधार से ज्यादा, अपने असली रूप में देखा जाना चाहिए। यह लोगों की सेवा करने वाले लोगों में एक पीढ़ीगत निवेश है और इसे एक ऐसे नेता ने तैयार किया है जिसने अपना जीवन लोगों की सेवा में ही लगा दिया है।

( यह लेखक के अपने विचार है )

# देवी-शक्ति की उपासना का पर्व नवरात्र

**डा. घनश्याम बादल**

हिन्दू धर्म के सबसे बड़े पर्वों में से एक माने जाने वाले नवरात्र शुरू हो गए हैं। नौ दिन तक तन-मन की शुद्धि के लिए किए जाने वाले नवरात्र व्रत धार्मिक कर्मकांड मात्र नहीं हैं अपितु वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी रखते हैं, और प्रतीक रूप में गहरा संदेश देते हैं। नवरात्र का शाब्दिक अर्थ है नौ रातें और यह देवी-शक्ति की उपासना का पर्व है। यह पर्व वर्ष में दो बार चैत्र और शारदीय नवरात्रि मनाया जाता है। धार्मिक दृष्टि से यह शक्ति की आराधना और असुर शक्तियों पर विजय का प्रतीक है, परंतु यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि स्त्री-शक्ति, नैतिक मूल्यों और सामाजिक उत्थान का उत्सव भी है।

आज के समय में जब समाज महिला असमानता, सामाजिक भेदभाव, पर्यावरण संकट, नैतिक पतन आदि अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है, तब नवरात्र हमें अवसर देते हैं कि इन समस्याओं पर सामूहिक रूप से विचार करें और समाधान खोजें। नवरात्र की कथा के अनुसार, दुर्गा देवी ने महिषासुर जैसे राक्षस का वध कर देवताओं और मानवता को अत्याचार से मुक्ति दिलाई। यह कथा इस बात का प्रतीक है कि जब अत्याचार अपनी सीमा पार कर लेते हैं, तो समाज में सकारात्मक शक्ति का उदय होता है।

यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। चाहे सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष हो, अन्यायपूर्ण व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाना हो या व्यक्तिगत जीवन में नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय पाना। ये नौ देवियां धार्मिक प्रतिमाएं मात्र नहीं अपितु आधुनिक प्रतीक भी हैं। यदि इन्हें आधुनिक दृष्टि से देखें तो प्रत्येक देवी एक मानवीय मूल्य और सामाजिक आदर्श का प्रतीक है। एक नई दृष्टि के साथ इन देवियों के आधुनिक प्रतीको एवं अथरे पर दृष्टि डालते हैं। शैलपुत्री-पर्वतपुत्री शैलपुत्री धरती और प्रकृति से जुड़ाव की प्रेरणा देती हैं।

आज जब पर्यावरण संकट बढ़ रहा है, यह देवी हमें बताती हैं कि हमें प्रकृति का सम्मान करना चाहिए और टिकाऊ जीवन शैली अपनानी चाहिए। देवी ब्रह्मचारिणी-तपस्या और अनुशासन की प्रतीक हैं, जो संदेश देती हैं कि शिक्षा, आत्मसंयम और स्पष्ट जीवन-दृष्टि से ही प्रगति संभव है। चंद्रघंटा-साहस और वीरता की देवी हैं, जो सिखाती हैं कि समाज में अन्याय, अपराध और शोषण के खिलाफ निडर होकर खड़ा होना चाहिए। कुष्मांडा-सृष्टि की रचयिता कुष्मांडा आधुनिक युग में रचनात्मकता, नवाचार और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक हैं। स्कंदमाता-मातृत्व और पालन-पोषण की प्रतीक हैं, जो हमें याद दिलाती हैं कि अगली पीढ़ी को अच्छे संस्कार देना हमारा कर्त्तव्य है।

कात्यायनी-दमन और अन्याय के अंत की प्रतीक हैं, जो महिला सशक्तिकरण और न्यायपूर्ण समाज के लिए संघर्ष की प्रेरणा देती हैं। कालरात्रि-अंधकार का नाश करने वाली देवी कालरात्रि हमें अज्ञान, अंधविश्वास और कुरीतियों के विरु द्ध जागरूकता फैलाने का संदेश देती हैं। मां महागौरी-पवित्रता और शांति की प्रतीक हैं, और समाज में स्वच्छता, समानता और मानसिक शांति का आदर्श प्रस्तुत करती हैं। सिद्धिदात्री जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है ज्ञान, उपलब्धि और परिपूर्णता की प्रतीक देवी हैं, जो प्रेरित करती हैं कि हम कौशल और ज्ञान से आत्मनिर्भर और समर्थ बनें। इन नौ देवियों को यदि हम नौ सामाजिक स्तंभ मानें तो नवरात्रि हमें आत्म सुधार और समाज सुधार की एक पूरी रूपरेखा प्रदान करती है।

सामाजिक सुधार की दृष्टि से भी नवरात्र का महत्त्व कम नहीं है। नवरात्रि का मूल ही स्त्री-शक्ति की उपासना है। नवरात्र में हम संकल्प लें कि बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। महिला उत्पीड़न, दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा जैसी समस्याओं के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाना है, यह संकल्प ही इस पर्व को सार्थक बना सकता है। नवरात्रि आत्म शुद्धि का समय है। अवसर है कि हम अंधविश्वास, जातिवाद, छुआछूत, नशाखोरी और सामाजिक भेदभाव जैसी बुराइयों को समाप्त करने की प्रतिज्ञा लें। प्रकृति अपने आप में देवी का स्वरूप है। अत: नवरात्र में वृक्षारोपण, प्लास्टिक-मुक्त अभियान और जल-संरक्षण का संदेश समाज को दिया जा सकता है।

पूजा में इको-फ्रेंडली सामग्री का प्रयोग करके यह पर्व पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सकता है। नवरात्रि में सामूहिक आयोजन जाति, धर्म और वर्ग भेद मिटाने के अवसर होते हैं। ऐसे में सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जा सकते हैं, जो समाज को जोड़ने का काम करें। नवरात्रि में व्रत-उपवास का अपना ही महत्त्व है। इसे केवल धार्मिक नियम न मान कर स्वस्थ जीवन शैली, नशा-मुक्ति और मानसिक शांति का अभ्यास बनाया जा सकता है। अत: कहा जा सकता है कि नवरात्रि धार्मिक पर्व मात्र नहीं है, बल्कि आत्म-संयम, सामाजिक जागरूकता और परिवर्तन का अवसर है। यदि हम नवरात्रि को सामाजिक सुधार की दृष्टि से मनाएं तो यह पर्व महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता का सशक्त माध्यम बन सकता है।

( यह लेखक के अपने विचार है )

## दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार भारत

भारत की प्रगति की रोज नई-नई खबरें आने का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में अब भारत ने जापान को पीछे छोड़ कर दुनिया के ऑटोमोबाइल बाजार में धमाकेदार दस्तक दी है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के अनुसार भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार बन गया है, और अगले पांच साल में इस बाजार में पहले नंबर पर आने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। गडकरी ने अंतरराष्ट्रीय वैल्यू शिखर सम्मेलन, 2025 में उस रोडमैप का ब्योरा भी दिया जिसके तहत भारत को ऑटोमोबाइल विनिर्माण, हरित गतिशीलता और बुनियादी ढांचे के नवाचार के लिए दुनिया के अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित करने की महत्त्वाकांक्षी योजना है।

गडकरी के अनुसार सभी प्रमुख वैंकि ऑटोमोबाइल ब्रांड अब भारत में मौजूद हैं। इन ब्रांडों का ध्यान अब असेंबलिंग करने से हट कर भारत से दुनिया भर में वाहनों के निर्यात पर केंद्रित हो गया है। देखा जाए तो अकेले भारत का दोपहिया वाहन उद्योग अपने उत्पादन का आधे से ज्यादा निर्यात करता है। प्रदूषण मुक्त परिवहन के मामले में भी भारत की अग्रणी भूमिका बनी हुई है। इलेक्ट्रिक वाहनों, हाइड्रोजन ईंधन और वैकल्पिक ईंधनों में भारत खूब प्रगति कर रहा है।

हाइड्रोजन ट्रक लॉन्च कर ही चुका है, और अनेक मागरे पर इसकी पायलट परियोजनाएं चल रही हैं। भारत का लक्ष्य हरित परिवहन में दुनिया का नेतृत्व करना है। प्रमुख वाहन निर्माता कंपनियों टाटा मोटर्स, अशोक लीलैंड और रिलायंस तथा इंडियन ऑयल जैसी तेल कंपनियों के सहयोग से सरकार ने हाइड्रोजन उत्पादन के बुनियादी ढांचे को गति देने के लिए भारी-भरकम अनुदान दिया है।

वर्तमान में भारत ने आइसोब्यूटेनॉल और बायो-बिटुमेन जैसे नये ईंधन विकल्पों के मामले में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। इन ईंधन विकल्पों का प्रयोगशालाओं में परीक्षण चल रहा है। गडकरी के अनुसार देश की सड़कों के बुनियादी ढांचे में भी जबरदस्त प्रगति हुई है।

भारत में अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क है। यात्रा की अवधि भी काफी घट गई है। भारत के वि में ऑटोमोबाइल बाजार में प्रमुख स्थान हासिल करने के पीछे उस प्रतिबद्धता का भी योगदान है, जिसके तहत देश के कचरा प्रबंधन के तौर-तरीके बदले हैं। कचरे का इस्तेमाल सड़क बनाने की सामग्री में किए जाने से यह भी संपदा में बदल कर देश को आगे बढ़ा रहा है।

# स्वच्छ शौचालय अभियान: स्वच्छता की ओर बदलती सोच और बढ़ते कदम

भारत में स्वच्छता की चर्चा जब भी होती है, तो केवल कचरा या गंदगी की सफाई ही नहीं बल्कि शौचालयों की उपलब्धता और उनका नियमित उपयोग भी सबसे बड़ी चुनौती के रूप में सामने आती है। लंबे समय तक खुले में शौच की समस्या देश की छवि और स्वास्थ्य दोनों के लिए बाधा बनी रही। वर्ष 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन का आह्वान किया, तब इस समस्या को दूर करने की दिशा में व्यापक प्रयास शुरू हुए। घर-घर शौचालय बनने लगे, शहरों और कस्बों में सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालयों का निर्माण हुआ और धीरे-धीरे समाज में यह संदेश घर करने लगा कि स्वच्छता केवल सरकार का कार्य नहीं बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए क्लीन टॉयलेट अभियान की शुरुआत हुई, जिसकी थीम है - स्वच्छ शौचालय हमारी जिम्मेदारी। इस अभियान का मकसद केवल शौचालय बनाना नहीं, बल्कि उन्हें स्वच्छ, सुरक्षित और उपयोगी बनाए रखना है। क्योंकि यह बार-बार देखा गया कि शौचालय बन जाने के बाद भी उनका रखरखाव न होने से लोग उन्हें छोड़कर फिर खुले में शौच करने लगते थे। इसलिए इस अभियान ने ध्यान केंद्रित किया नागरिकों की सक्रिय भागीदारी, सफाई मित्रों और स्थानीय निकायों के सहयोग तथा सामुदायिक जिम्मेदारी पर।

इंदौर: स्वच्छता की राजधानी और नई पहल-देश का सबसे स्वच्छ शहर कहलाने वाला इंदौर क्लीन टॉयलेट अभियान का भी अग्रणी उदाहरण है। विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर नगर निगम ने शौचालय सुपर स्पॉट कैंपेन आयोजित किया। इस अनोखे अभियान में नागरिकों को प्रोत्साहित किया गया कि वे सार्वजनिक शौचालयों का उपयोग करें और वहां पर अपनी उपस्थिति को तस्वीर के माध्यम से दर्ज करें। नतीजा यह हुआ कि शहर के सात सौ से अधिक शौचालयों पर एक लाख से ज्यादा लोगों ने जाकर सेल्फी ली और उसे ऑनलाइन अपलोड किया। यह केवल आंकड़ों की बात नहीं है बल्कि यह दर्शाता है कि इंदौर के नागरिक स्वच्छता को गर्व और जिम्मेदारी दोनों मानते हैं। खास बात यह रही कि अभियान की शुरुआत के केवल तीन घंटे के भीतर ही तीस हजार से अधिक तस्वीरें अपलोड हो चुकी थीं। सुबह पांच बजे से आठ बजे तक का यह दृश्य बताता है कि नागरिक कितनी तत्परता और जागरूकता के साथ इसमें भाग ले रहे थे। इंदौर का यह प्रयोग न केवल पूरे देश के लिए प्रेरणा है बल्कि यह संदेश भी देता है कि यदि जनता प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

बिलासपुर: बबलू महतो और परिवार की मिसाल

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के अशोक नगर इलाके की कहानी बताती है कि बदलाव के लिए बड़े साधनों की नहीं बल्कि छोटे प्रयासों की आवश्यकता होती है। नगर निगम ने बबलू महतो को एक सार्वजनिक सुविधा केंद्र की देखभाल की जिम्मेदारी दी। यह स्थान पहले असामाजिक तत्वों का अड्डा माना जाता था। लोग वहां जाने से डरते थे और शौचालय लगभग बेकार पड़ा था।

लेकिन बबलू महतो ने अपने परिवार के सहयोग से इस स्थान का कायाकल्प कर दिया। उन्होंने न केवल शौचालय और स्नानघर की नियमित सफाई सुनिश्चित की बल्कि आसपास का वातावरण भी पूरी तरह बदल डाला। धीरे-धीरे यह स्थान लोगों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ सार्वजनिक स्थल बन गया। उनकी पत्नी अनीता और पूरा परिवार इस जिम्मेदारी को निभाने में बराबर का योगदान देता है। आज यह सुविधा केंद्र इलाके के लोगों के लिए वरदान बन चुका है। यह उदाहरण हमें यह सिखाता है कि यदि जिम्मेदारी का भाव हो तो कोई भी व्यक्ति समाज में बड़ा बदलाव ला सकता है।

कोरबा: प्रभास शाही का योगदान-कोरबा जिले के प्रभास शाही ने अपनी सतत मेहनत और सेवा से स्वच्छता अभियान को एक नया आयाम दिया। वे पिछले दस वर्षों से शहर के नए बस स्टैंड और अन्य इलाकों में बने तेईस सार्वजनिक शौचालयों की देखभाल कर रहे हैं। उनकी सोच केवल सफाई तक सीमित नहीं रही। उन्होंने इन शौचालयों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया।

महिलाओं और बच्चों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उन्होंने सैनिटरी नैपकिन डिस्पेंसर, इंसीनेरेटर और बेबी फीडिंग रूम जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराईं। यह सब बिना किसी बड़े प्रचार-प्रसार के हुआ, लेकिन इसका असर पूरे शहर पर पड़ा। प्रभास शाही की मेहनत का ही परिणाम है कि कोरबा शहर खुले में शौच से पूरी तरह मुक्त हुआ और ह्लष्ठस्न++ का दर्जा प्राप्त कर सका। यह उपलब्धि बताती है कि व्यक्तिगत प्रयास भी सामूहिक सफलता में बदल सकते हैं।

स्वच्छता और गरिमा का संबंध

क्लीन टॉयलेट अभियान केवल सफाई का सवाल नहीं है, यह स्वास्थ्य और गरिमा दोनों से जुड़ा हुआ है। खासकर महिलाओं और बच्चों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय का होना उनकी गरिमा और आत्मसम्मान का सवाल है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लंबे समय तक महिलाओं को अंधेरे में खुले में शौच करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इससे न केवल उनका स्वास्थ्य प्रभावित होता था बल्कि सुरक्षा की समस्या भी बनी रहती थी।

आज जब सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालयों का जाल बिछाया गया है, तो जिम्मेदारी यह बनती है कि उनकी स्वच्छता और उपयोगिता बनी रहे। यदि वे गंदे या अनुपयोगी होंगे तो लोग फिर से पुराने तरीकों की ओर लौट सकते हैं। इसलिए क्लीन टॉयलेट अभियान का संदेश यह है कि निर्माण के साथ-साथ रखरखाव भी उतना ही जरूरी है।

चुनौतियाँ और समाधान-हालांकि इस अभियान की सफलता के बावजूद कई चुनौतियाँ सामने हैं। कई शहरों में शौचालय तो बन जाते हैं लेकिन उनका नियमित रखरखाव नहीं हो पाता। पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएँ न होने से उनका उपयोग कठिन हो जाता है। कई बार नागरिक भी लापरवाही बरतते हैं और शौचालयों को गंदा छोड़ देते हैं। इन समस्याओं का समाधान तभी संभव है जब नागरिक, प्रशासन और सफाई मित्र मिलकर काम करें। एक ओर स्थानीय निकाय को यह सुनिश्चित करना होगा कि शौचालयों की सफाई और मरम्मत नियमित रूप से हो, वहीं नागरिकों को भी इन्हें अपनी संपत्ति मानकर संभालना होगा। जागरूकता अभियानों, जन सहभागिता और तकनीक के उपयोग से इस दिशा में और सुधार किया जा सकता है।

जनभागीदारी का महत्व-क्लीन टॉयलेट अभियान की सबसे बड़ी ताकत है जनभागीदारी। जब लोग इसमें जुड़ते हैं तो यह केवल सरकारी योजना नहीं बल्कि एक आंदोलन बन जाता है। इंदौर, बिलासपुर और कोरबा जैसे उदाहरण यही साबित करते हैं। इंदौर में नागरिकों का उत्साह, बबलू महतो और प्रभास शाही जैसे व्यक्तियों की निष्ठा और प्रशासन का सहयोग मिलकर इसे सफल बनाता है। यही कारण है कि यह अभियान अब पूरे देश में तेजी से फैल रहा है।

( यह लेखक के अपने विचार है )

## आप विधायक संजीव अरोड़ा की जीत को हाईकोर्ट में चुनौती, चुनाव आयोग को भी भेजा नोटिस

चंडीगढ़, 26 सितम्बर [ एजेंसी ]। लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी ( आप ) के विधायक संजीव अरोड़ा की चुनावी जीत पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।अरोड़ा की जीत को चुनौती देते हुए पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में दायर एक याचिका में गंभीर आरोप लगाए गए हैं। अदालत ने अरोड़ा और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिका जसविंदर सिंह माल्ही ने दायर की है जिन्होंने अरोड़ा पर भ्रष्ट आचरण व चुनावी खर्च छिपाने का आरोप लगाया है। याचिकाकर्ता का दावा है कि अरोड़ा ने नामांकन पत्र के साथ जमा किए गए हलफनामे ( फार्म 26 ) में महत्वपूर्ण जानकारियां जानबूझकर छिपाई और चुनाव आयोग को गलत एवं मनगढ़ंत जानकारी दी ।माल्ही के वकील सिमरनजीत सिंह और परमिंदर सिंह विग के अनुसार, अरोड़ा ने चुनाव प्रचार में मतदान केंद्रों के बाहर मतदाता पर्चियां बांटीं, रोजाना 25-30 जनसभाएं आयोजित कीं, सोशल मीडिया और पेड न्यूज प्रचार कराया, लेकिन खर्च का सही ब्यौरा नहीं दिया। याचिका का कहना है कि यदि सभी वास्तविक खर्चों को जोड़ा जाए तो यह चुनाव आयोग की निर्धारित सीमा से कहीं अधिक होगा। इसके अलावा, अरोड़ा पर धर्म के नाम पर वोट मांगने और पेशेवर धार्मिक प्रचारकों को अभियान में शामिल करने का भी आरोप है ।माल्ही ने अदालत को बताया कि अरोड़ा, जो सत्ताधारी दल से जुड़े हैं, ने चुनाव जीतने के लिए राज्य मशीनरी का दुरुपयोग किया। याचिका में दावा किया गया है कि अरोड़ा की टीम ने गुरुद्वारों व हिंदू धार्मिक स्थलों पर अनुदान दिए और नगर निगम व राज्य खजाने से सिविल कार्य करवाए।

## क्या अल्बानिया की एआई मंत्री भ्रष्टाचार मिटा पाएगी? एक्सपर्ट्स से पूछा– कौन करता है कंट्रोल

तिराना, 26 सितम्बर [ एजेंसी ]। पिछले सप्ताह अल्बानिया ने घोषणा की थी कि एआई से प्रेरित एक मंत्री नए पब्लिक टेंडर पोर्टफोलियो का कार्यभार संभालेंगी। डिएला को विश्व का पहला वर्चुअल मंत्री कहा जा रहा है ।साथ ही अल्बानियाई प्रधानमंत्री एडी रामा ने वादा किया है कि इस नियुक्ति से सरकारी अनुबंधों में पनपा भ्रष्टाचार समाप्त हो जाएगा। लेकिन इस एआई मंत्री के बारे में गंभीर तकनीकी, राजनीतिक और नैतिक प्रश्न उठाए गए हैं ।डिएला की नियुक्ति की घोषणा करते हुए, रामा ने दावा किया कि अब पब्लिक टेंडर सौ प्रतिशत भ्रष्टाचार मुक्त होंगे। प्रधानमंत्री के अनुसार, डिएला कभी सोती नहीं हैं, उन्हें भुगतान की आवश्यकता नहीं है, उनके कोई निजी हित नहीं हैं, उनके कोई चचेरे भाई-बहन नहीं हैं, क्योंकि अल्बानिया में चचेरे भाई-बहन एक बड़ा मुद्दा हैं। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के भ्रष्टाचार सूचकांक में अल्बानिया का देश 180 में से 80वें स्थान पर है। अल्बानियाई राजनेता अक्सर सार्वजनिक धन से जुड़े भ्रष्टाचार के घोटालों में फंसते हैं। राजधानी तिराना के पूर्व महापौर को पद पर रहते हुए हिरासत में लिया गया था और वे अभी भी हिरासत में हैं, उन पर सरकारी ठेके देने के संबंध में भ्रष्टाचार का संदेह है। विपक्षी नेता और पूर्व प्रधानमंत्री साली बेरिशा पर भी अपने सहयोगियों को सार्वजनिक ठेके देने का संदेह है ।विशेषज्ञों के अनुसार, वास्तव में नहीं। डिजिटल परिवर्तन और साइबर सुरक्षा के विशेषज्ञ एरजॉन कुर्राज ने कहा, किसी भी एआई सिस्टम की तरह, यह पूरी तरह से डेटा की गुणवत्ता और स्थिरता और उसके पीछे के मॉडलों की विश्वसनीयता पर निर्भर करता है। डिएला की कार्यप्रणाली अभी तक अज्ञात है, लेकिन यह प्रश्नों का उत्तर देने के लिए संभवत: लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स ( एलएलएम ) पर निर्भर करता है - ठीक उसी तरह जैसे चैटजीपीटी या जेमिनी जैसे जनरेटिव चैटबॉट्स को संचालित करने के लिए विशाल मात्रा में टेक्स्ट का उपयोग किया जाता है ।कुर्राज ने कहा कि लेकिन अगर इनपुट डेटा अधूरा, पक्षपातपूर्ण या पुराना है तो एआई के निर्णय उन खामियों को दर्शाएंगे और यह दस्तावेजों की गलत व्याख्या कर सकता है। किसी आपूर्तिकर्ता को गलत तरीके से चिह्नित कर सकता है या मिलीभगत के संकेतों को नजरअंदाज कर सकता है ।कंप्यूटर वैज्ञानिक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता विशेषज्ञ जीन-गेब्रियल गनासिया ने कहा, एलएलएम समाज को प्रतिबिंबित करते हैं; उनमें पूर्वाग्रह होते हैं। यह मानने का कोई कारण नहीं है कि यह भ्रष्टाचार की समस्या का समाधान करता है। गनासिया ने कहा, यह मान लेना कि मशीन में कोई पूर्वाग्रह नहीं है, इसका अर्थ है कि हमें मशीन के अधीन रहना होगा ।अल्बानियाई विपक्ष ने संवैधानिक न्यायालय में इस चिंता को लेकर अपील की है कि एआई के निर्णयों के लिए कौन जवाबदेह होगा। बेरिशा ने संसद से पूछा, डिएला को कौन नियंत्रित करेगा गनासिया इस बात से सहमत हैं कि एआई के मामले में जवाबदेही और नियंत्रण के प्रश्न महत्वपूर्ण हैं।

## दिल्ली के अस्पतालों से 500 मरीज गायब, अस्पताल की लापरवाही और चौंकाने वाली वजह आई सामने

नई दिल्ली, 26 सितम्बर [ एजेंसी ]। राजधानी दिल्ली में 500 से ज़्यादा मरीज एमसीडी के लिए चुनौती बन गए हैं, जिनमें डेंगू की पुष्टि तो हो गई है, लेकिन उनका पता नहीं चल पा रहा है। इन मरीजों ने निगम की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं, क्योंकि पता न लगने की वजह से डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया फैलने का ख़तरा बढ़ गया है ।हालांकि, एमसीडी के डोमेस्टिक ब्रीडिंग चेकर्स ( डीबीसी ) इन मरीज़ों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान चला रहे हैं। लगभग 225 मरीज़ों के पते तो मिल गए हैं, लेकिन ऊपर बताए गए नाम वाले मरीज़ नहीं मिले हैं। इससे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के अन्य लोगों में फैलने की आशंका बढ़ रही है। गौरतलब है कि डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया मच्छरों के काटने से होते हैं। डेंगू मादा एडीज़ मच्छर के काटने से फैलता है। जब कोई मच्छर किसी डेंगू संक्रमित मरीज़ को काटता है, तो वह भी डेंगू से संक्रमित हो जाता है। अगर मच्छर फिर किसी दूसरे डेंगू संक्रमित व्यक्ति को काटता है, तो संक्रमित व्यक्ति भी संक्रमित हो जाता है। मलेरिया और चिकनगुनिया के साथ भी यही स्थिति होती है ।निगम की रिपोर्ट के अनुसार, 1 जनवरी से 20 सितंबर तक, निगम को डेंगू के 463 मरीज़ों के पते गलत या अधूरे मिले, जबकि 174 मरीज़ों के पते निगम को मिले, लेकिन वे बताए गए पते पर नहीं मिले। मलेरिया के मामले में भी यही स्थिति है। एमसीडी को 80 मरीज़ों के पते अधूरे या गलत मिले, जबकि 64 मरीज़ों के पते तो मिले, लेकिन वे बताए गए पते पर नहीं मिले। जाँच के दौरान चिकनगुनिया के 20 मरीज़ों के पते भी गलत या अधूरे मिले, जबकि 15 मरीज़ों के पते तो मिले, लेकिन वे नहीं मिले। एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अधूरे या गलत पते वाले मरीज़ों के लिए अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग या आपातकालीन कक्ष के कर्मचारी ज़िम्मेदार हैं। वे अक्सर मरीज़ों को जाँच के लिए या अस्पताल या डिस्पेंसरी में रेफ़र करने के लिए पंजीकृत करते हैं। इन मरीज़ों को ढूँढना एक चुनौती है, क्योंकि हमारी मानक प्रक्रिया यह है कि किसी भी मरीज़ के घर के आसपास मच्छरों के पनपने के स्थानों की जाँच की जाए ।इसके अलावा, ज़रूरत पड़ने पर हम मच्छर भगाने वाली दवाइयों का छिड़काव और फ़ॉगिंग भी करते हैं। अगर मरीज़ों की पहचान नहीं की जाती, तो डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के दूसरों में फैलने का ख़तरा बढ़ जाता है। हम सलाह देते हैं कि डेंगू, मलेरिया या चिकनगुनिया से पीड़ित मरीज़ मच्छरदानी में सोएँ ताकि उन्हें दूसरे मच्छर न काटें ।इस साल राजधानी दिल्ली में मलेरिया और चिकनगुनिया के मरीज़ों की संख्या डेंगू के मरीज़ों से ज़्यादा बढ़ रही है। पिछले सप्ताह मलेरिया के 36 नए मामले सामने आने के साथ, कुल रोगियों की संख्या 333 हो गई है, जो 2024 में 309 थी। इसी प्रकार, चिकनगुनिया के छह नए मामलों के साथ, कुल संख्या 52 हो गई है, जो 2024 में 37 थी। पिछले सप्ताह, डेंगू के 66 नए मामलों की पुष्टि हुई है, जिससे कुल मामलों की संख्या 685 हो गई है, जो 2024 की तुलना में 917 कम है ।डेंगू मादा एडीज़ मच्छर के काटने से फैलता है। जब कोई मच्छर किसी डेंगू संक्रमित मरीज़ को काटता है, तो वह भी डेंगू से संक्रमित हो जाता है। अगर मच्छर फिर किसी दूसरे डेंगू संक्रमित व्यक्ति को काटता है, तो संक्रमित व्यक्ति भी संक्रमित हो जाता है। मलेरिया और चिकनगुनिया के साथ भी यही स्थिति होती है ।निगम की रिपोर्ट के अनुसार, 1 जनवरी से 20 सितंबर तक, निगम को डेंगू के 463 मरीज़ों के पते गलत या अधूरे मिले, जबकि 174 मरीज़ों के पते निगम को मिले, लेकिन वे बताए गए पते पर नहीं मिले। मलेरिया के मामले में भी यही स्थिति है। एमसीडी को 80 मरीज़ों के पते अधूरे या गलत मिले, जबकि 64 मरीज़ों के पते तो मिले, लेकिन वे बताए गए पते पर नहीं मिले। जाँच के दौरान चिकनगुनिया के 20 मरीज़ों के पते भी गलत या अधूरे मिले, जबकि 15 मरीज़ों के पते तो मिले, लेकिन वे नहीं मिले। एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अधूरे या गलत पते वाले मरीज़ों के लिए अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग या आपातकालीन कक्ष के कर्मचारी ज़िम्मेदार हैं। वे अक्सर मरीज़ों को जाँच के लिए या अस्पताल या डिस्पेंसरी में रेफ़र करने के लिए पंजीकृत करते हैं।

## विदेशों में 8000 रुपये प्रति क्विंटल बिक रहा हिसार के किसान का गेहूं, यू-ट्यूब देख शुरू की थी प्राकृतिक खेती

हिसार, 26 सितम्बर [ एजेंसी ]। हिसार के नारनौंद के गांव कौथकलां के रहने वाले 65 वर्षीय राजपाल सिंह ने 14 वर्ष पहले चार एकड़ में प्राकृतिक खेती शुरू की थी। उन्होंने सिर्फ यू-ट्यूब पर राजीव दीक्षित के वीडियो देखकर ही प्राकृतिक खेती शुरू की। अब उनकी उगाई गेहूं अमेरिका, इंग्लैंड, मोरक्को, भूटान, श्री लंका सहित भारत में आठ हजार रुपये प्रति क्विंटल बिक रही है। यहीं नहीं उनकी गेहूं को लेने के लिए बुकिंग भी दो माह पहले फरवरी में ही हो जाती है ।उनकी फसल सीधे खेत से ग्राहकों के पास पहुंच रही है। साथ ही वे गाय व भैंस के दूध से बना घी, सरसों का तेल, तिल का तेल, बाजरे के बिस्किट और शहद तैयार कर बेचते हैं। खेती के साथ उनकी अतिरिक्त आमदनी होती है। कुल मिलाकर 10 लाख रुपये वार्षिक की आमदनी खेती व अन्य प्रोडक्ट से हो जाती है। राजपाल सिंह ने हिसार के चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित किए गए कृषि मेले में बिस्किट, सरसों के तेल सहित अन्य प्रोडक्ट पेश किए। राजपाल सिंह श्योराण ने बताया कि पहले वह सामान्य तौर पर होने वाली पुश्तैनी खेती करते थे। राजीव दीक्षित के वीडियो देखकर गेहूं, बाजरा, मूंग, ग्वार, ज्वार, चना, मेथी की प्राकृतिक खेती शुरू की। इस खेती में फसलों में किसी प्रकार का कोई केमिकल नहीं मिलाते, न ही पैदावार बढ़ाने के लिए कोई अन्य प्रोडक्ट ही प्रयोग करते हैं। हालांकि, उनकी फसलों की पैदावार पहले से आधी होती है, लेकिन उनकी फसल की डिमांड बहुत अधिक है। साथ ही मधुमक्खी पालन भी करते हैं।

उनकी गाय व भैंस के दूध से बनाए घी और शहद की डिमांड बहुत अधिक है। कैथल के वजीर नगर के रहने वाले कश्मीरी सिंह ने बताया कि उसके पिता आर्मी में थे ।वह भी पिता की तरह देश सेवा करना चाहता था, सेना में नहीं जा सके तो खेती में केमिकल से होने वाले नुकसान से लोगों को बचाने की सोची।। इसके बाद जमीन से केमिकल का जहर निकालने के लिए कुछ प्रोडक्ट का निर्माण शुरू किया। कुछ रिसर्च के बाद देशी-जड़ी-बूटियों से हर्बल प्रोडक्ट बनाने शुरू किए। पहला प्रोडक्ट ऋषि सेतु नाम से बनाया जो जमीन से केमिकल के प्रभाव को खत्म करने के लिए प्रयोग होता है। इसके बाद इसी तरह के पांच प्रोडक्ट और बनाए है ।खास बात यह है कि इन प्रोडक्ट में किसी तरह का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता, क्योंकि ये देशी-जड़ी बूटियों से बनाए गए हैं। कश्मीरी सिंह ने बताया कि उन्होंने कृषि सेतु, नीमेरियन, हरिरतन, फुगोन व अंकूरन नाम से प्रोडक्ट तैयार किए है ।ये प्रोडक्ट भूमि की उपजाऊ शक्ति बढ़ाते है। भूमि में पानी सोखने व जल धारण की क्षमता बढ़ती है। पौधे की जड़ों को लंबा व मजबूत बनाते हैं।

## मध्य प्रदेश-बिहार में नहीं थम रहा बारिश का दौर, पहाड़ी राज्यों में राहत

नई दिल्ली, 26 सितम्बर [ एजेंसी ]। देश के मैदानी राज्यों में भारी बारिश का दौर थम गया है। राजस्थान, पंजाब और गुजरात से मानसून की वापसी होने लगी है, लेकिन मध्य प्रदेश में लौटते मानसून के चलते बारिश हो रही है। दूसरी तरफ दिल्ली, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में बारिश थमने के बाद तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। भारतीय मौसम विभाग ( आईएमडी ) ने सोमवार को बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र समेत 20 राज्यों में बारिश का यलो और ओडिशा में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है ।मध्य प्रदेश में नया सिस्टम सक्रिय होने से बारिश का दौर जारी है। यहां अगले 10 दिन तक बादल बरसेंगे और 30 सितंबर के बाद मानसून लौटने लगेगा।

## पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों के दुरुपयोग का हिंदुओं पर सबसे अधिक प्रभाव, रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली, 26 सितम्बर [ एजेंसी ]। पाकिस्तान की गलत प्राथमिकताएं हिंदुओं और सिंधियों के खिलाफ अपमानजनक कानूनों और धार्मिक उग्रवाद के क्रूर उपयोग में स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, हिंदू इन विकृत प्राथमिकताओं का शिकार बनते हैं क्योंकि ईशनिंदा के आरोप, जो अक्सर व्यक्तिगत विवादों या पूर्वाग्रहों के आधार पर बनाए जाते हैं, गैर-मुसलमानों के खिलाफ आतंक के उपकरण बन गए हैं। श्रीलंका के प्रमुख समाचार पत्र द डेली मिरर में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में पिछले तीन वर्षों में ऐसे मामलों की संख्या में वृद्धि हुई है। केवल 2024 में, कम से कम 475 मामले दर्ज किए गए हैं। यह संख्या चिंताजनक रूप से बढ़ी है, जो दर्शाती है कि देश में कानून का कितना आसानी से दुरुपयोग किया जा रहा है। रिपोर्ट में विस्तार से बताया गया, अपमान का एक झूठा आरोप हत्या करने वाले दंगाइयों को भड़का सकता है। हिंसा के अपराधियों को कभी सजा नहीं मिलती, जिससे और अधिक अत्याचारों को बढ़ावा मिलता है। रिपोर्ट के अनुसार अपमानजनक कानून अल्पसंख्यकों के साथ निपटने के लिए एक खुला लाइसेंस प्रदान करते हैं ।2025 में हिंदू लड़कियों और यहां तक कि बच्चों के अपहरण और इस्लाम में मतांतरण के लिए मजबूर करने की प्रवृत्ति देखी गई है। जून में पाकिस्तान के सिंध प्रांत में तीन हिंदू लड़कियों का अपहरण कर लिया गया और दुष्कर्म कर मतांतरण किया गया ।एक स्थानीय अदालत द्वारा यह स्वीकार करना कि नाबालिगों ने स्वेच्छा से अपना धर्म बदला, यह दर्शाता है कि ऐसे घटनाएं कितनी भयावह रूप से सामान्य हो गई हैं। मानवाधिकार समूहों के अनुसार सिंध और पंजाब में नाबालिग हिंदू लड़कियों के अपहरण और दुष्कर्म के बाद निकाह जारी हैं, जबकि पाकिस्तानी अधिकारियों ने आंखें मूंद ली हैं। हिंदुओं की धरोहरें ध्वस्त हो रही हैं।

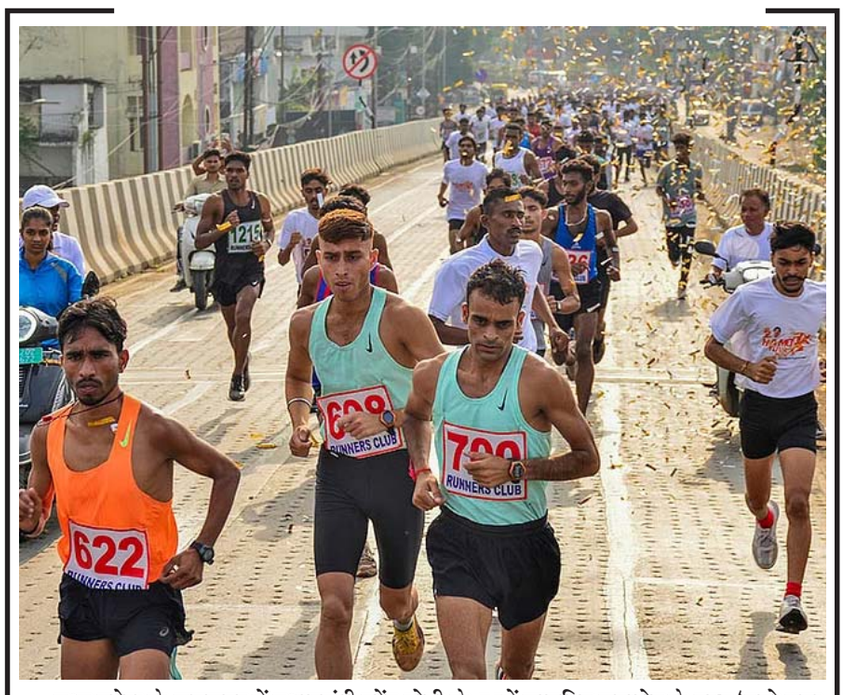


मध्य प्रदेश के जबलपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन समारोह के तहत 'नमो युवा रन' मैराथन में भाग लेते लोग।

## दुश्मन से लोहा लेने के लिए स्वदेशी लाइट टैंक जोरावर तैयार, चीन और पाकिस्तान की उड़ाएगा नींद

नई दिल्ली, 26 सितम्बर [ एजेंसी ]। भारत का पहला स्वदेशी अत्याधुनिक बख्तरबंद हल्के टैंक जोरावर जमीन से लेकर आसमान तक दुश्मन से मोर्चा लेने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसे हर तरह की परिस्थितियों और चुनौतियों का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ( डीआरडीओ ) के काम्बैट व्हीकल्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट ( सीवीआरडीई ) और लार्सन एंड टुब्रो ( एलएंडटी ) ने मिलकर रिकार्ड 24 महीने में तैयार किया है। इस टैंक को एलएंडटी के आर्मर्ड सिस्टम्स कॉम्प्लेक्स, हजीरा में तैयार किया जा रहा है ।यह टैंक 2020 में भारत-चीन के गलवान घाटी विवाद के बाद शुरू किए गए प्रोजेक्ट का हिस्सा है। इस टैंक को चीन के टाइप-15 लाइट टैंक का जवाब माना जा रहा है, जो वास्तविक नियंत्रण रेखा ( एलएसी ) पर भारत की युद्ध क्षमताओं को कई गुना बढ़ा देगा। 25 टन वजनी यह टैंक हाई पावर टू वेट रेशियो के साथ आता है, जो ऊंचाई वाले इलाकों, रेगिस्तानों और कठिन भौगोलिक क्षेत्रों में तत्परता से मूवमेंट कर सकता है ।हल्का डिजाइन होने से इस टैंक को सी-17 ग्लोबमास्टर थ्री और चिनूक हेलीकाप्टर जैसे सैन्य विमानों से आसानी से युद्ध क्षेत्र में पहुंचाया जा सकता है। इस टैंक का नाम जनरल जोरावर सिंह कहलुरिया के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने जम्मू के डोगरा राजवंश के राजा गुलाब सिंह के अधीन काम किया था। उन्होंने लद्दाख को जीतकर डोगरा क्षेत्र का विस्तार करने में मदद की थी। टैंक को लद्दाख के न्योमा में 4200 मीटर की ऊंचाई पर टेस्ट किया जा चुका है ।टैंक में 105 मिमी की मुख्य तोप, 7.62 मिमी की को-एक्सियल तोप लगी है ।एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल ( एटीजीएम ) और 12.7 मिमी रिमोट-कंट्रोल्ड वेपन स्टेशन दिए गए हैं ।टैंक के साथ निगरानी ड्रोन भी जोड़ा जा सकता है, जो युद्धक्षेत्र में दुश्मन की रियल टाइम पोजीशन बताएगा ।इस टैंक को पानी और दलदली इलाकों से भी ले जाया जा सकता है। - टैंक में 1000 हार्स पावर के बेजोड़ इंजन लगाए गए हैं। जमीन पर ये टैंक अधिकतम 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ सकता है ।भारतीय सेना की 350 जोरावर टैंकों को तैनात करने की योजना है। जैसलमेर के

## आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति के लिए एकीकृत तकनीकी समाधानों की जरूरत: सीडीएस अनिल चौहान

नई दिल्ली , 26 सितम्बर [ एजेंसी ]। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ( सीडीएस ) जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि आधुनिक युद्ध की निरंतर बदलती प्रकृति से पैदा होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए उन्नत और एकीकृत तकनीकी समाधानों की आवश्यकता है ।वह यहां तीनों सेनाओं की एक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इस संगोष्ठी का उद्देश्य राष्ट्रीय रक्षा के लिए महत्वपूर्ण विशिष्ट प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु सेना-अकादमिक अनुसंधान और विकास पारिस्थितिकी तंत्र में समन्वय स्थापित करना है ।रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने भविष्य की परिचालन मांगों को पूरा करने के लिए विभिन्न प्लेटफार्मों, हथियारों, नेटवर्कों में सिद्धांतों और स्वदेशी क्षमताओं को विकसित करने में शिक्षा जगत, स्टार्ट-अप और उद्योग जगत की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। उन्होंने समग्र राष्ट्र दृष्टिकोण अपनाने का भी आह्वान किया और शिक्षाविदों से नवाचार को बढ़ावा देने और भारत को अगली पीढ़ी की रक्षा प्रौद्योगिकियों में विश्व में अग्रणी बनाने के लिए प्रतिबद्ध होने का आग्रह किया। ब विवेक व अनुसंधान से विजय विषय पर आयोजित संगोष्ठी अपनी तरह की पहली संगोष्ठी है। इसमें आई आई एससी, आई आई टी, आईआईआईटी और निजी प्रौद्योगिकी संस्थानों सहित 62 संस्थानों के छात्रों के साथ-साथ शैक्षणिक और प्रमुख अनुसंधान एवं विकास संस्थानों के निदेशकों और विभागाध्यक्षों ने भाग लिया ।सीडीएस ने एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया जिसमें शिक्षा जगत द्वारा 43 चयनित नवीन प्रदर्शनियां प्रदर्शित की गईं। संगोष्ठी के दौरान विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहमति पत्रों ( एमएसओयू ) पर हस्ताक्षर भी किए गए ।नई दिल्ली 23 सितम्बर। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ( सीडीएस ) जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि आधुनिक युद्ध की निरंतर बदलती प्रकृति से पैदा होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए उन्नत और एकीकृत तकनीकी समाधानों की आवश्यकता है ।वह यहां तीनों सेनाओं की एक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इस संगोष्ठी का उद्देश्य राष्ट्रीय रक्षा के लिए समन्वय स्थापित करना है

## जीएसटी की छूट से राजधानी का बाजार झूमा

रायपुर,26 सितंबर ( एजेंसी )। नवरात्रि के पावन पर्व से आज जीएसटी के छूट के कारण बचत की सौगात शुरू हो गई है। जिसके कारण आज बाजार झूम उठा है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जीएसटी में छूट दिए जाने की घोषणा के पश्चात दुग्ध, डेयरी उत्पाद, इलेक्ट्रानिक, दवा तथा वाहन की दरों में छूट मिली है। जिसका फायदा अब आम लोगों को मिल रहा है।

आज नवरात्रि का पावन पर्व शुरू हो गया है, प्रधानमंत्री जीएस में छूट दिए जाने की घोषणा के पश्चात नागरिकों को रोजमरा के सामान खरीदी में छूट मिली है। सुबह से अमूल के दूध पैकेट, बटर के छोटे बड़े पैकेट तथा कैडेंस दूध में छूट मिली है। वहीं सीमेंट के प्रति बोरी रेट में 30 रूपए कम हुआ है, जिसको लेकर भवन निर्माता में खुशी का माहौल है, राजधानी में आज अवकाश प्राप्त कर्मचारियों तथा गृहणी में छूट लेने को लेकर होड़ मची हुई है, दवा विक्रेता संघ के अध्यक्ष अनिल विग के अनुसार दवाईयों विशेषकर, डायबिटिज, कैंसर तथा अन्य दवाईयों में लोगों को छूट मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस जीवन रक्षक दवाईयों को सस्ता करना जरूरी है। तंबाकु और शराब महंगा तथा पेट्रोल जीएसटी से बाहर राजधानी में जीएसटी 2.0 लागू करने के बाद तंबाकू के संबद्ध प्रोडक्ट महंगे जो जाएंगे, गुटखा, सिगरेट तथा अन्य उत्पाद महंगे हो गए है, जीएसटी से पेट्रोल को बाहर रखा गया है। इलेक्ट्रानिक मार्केट के पदाधिकारियों के अनुसार इस समय सैमसंग तथा चीन की एप्पो,विवो के कंपनियों के मोबाइल चार्जर में भी अंतर आएगा। राडा के प्रमुख के अनुसार दोपहिया वाहन के अंतर्गत आने वाले हीरो, होण्डा तथा अन्य कंपनियों के वाहन में भी 1000 से लेकर 500 तक छूट मिल रही है। वहीं बीएमडब्ल्यू, ईशान, मारूति सुजूकी तथा हेक्टर गाड़ियों के दाम भी गिरे हैं। अगले महीने दीपावली होने के कारण बाजार में तेजी आएगी। साराफा बाजार में भी असर पड़ेगा, वहीं कपड़े व्यवसाय में भी ग्राहकों को छूट मिलेगी। लोगों के अनुसार दीपावली के पहले लोगों की दीपावली मनेगी।

# पांच और आरोपी सीबीआई कोर्ट में पेश, पहले ही कई अधिकारी हो चुके हैं गिरफ्तार

### 0-सीजीपीएससी भर्ती घोटाला

रायपुर,26 सितंबर ( एजेंसी )। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ( सीजीपीएससी ) भर्ती घोटाले में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक, आयोग के पूर्व सचिव और रिटायर्ड आईएएस जीवनलाल ध्रुव, उनके बेटे सुमीत ध्रुव, निशा कोसले और दीपा आदिल को गिरफ्तार किया। तीन दिन की रिमांड के बाद आज इन सभी को विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया गया।इस हाई प्रोफाइल भर्ती घोटाले की जांच लगातार आगे बढ़ रही है। अब तक इस मामले में कुल 12 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पहले दौर में 18 नवंबर को सीबीआई ने तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी और बजरंग पावर एंड इस्पात के पूर्व निदेशक श्रवण कुमार गोयल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद 10 जनवरी को नितेश सोनवानी ( पूर्व अध्यक्ष का भतीजा, डिप्टी कलेक्टर चयनित ) और ललित गणवीर ( तत्कालीन डिप्टी परीक्षा नियंत्रक ) समेत पांच अन्य को हिरासत में लिया गया था।12 जनवरी को तीन और आरोपियों शशांक गोयल, भूमिका कटियार ( दोनों डिप्टी कलेक्टर पद के चयनित अभ्यर्थी ) और साहिल सोनवानी ( डीएसपी चयनित ) की गिरफ्तारी हुई थी। सभी आरोपी वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं।यह मामला 2020 से 2022 के बीच आयोजित सीजीपीएससी की परीक्षाओं में व्यापक गड़बड़ियों से जुड़ा है। आरोप है कि प्रभावशाली राजनीतिक और प्रशासनिक हस्तियों के करीबियों को नियमों को ताक पर रखकर उच्च पदों पर चयनित किया गया, जबकि योग्य अभ्यर्थियों को दरकिनार कर दिया गया।घोटाले की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने इसकी जांच का जिम्मा केंद्रीय जांच ब्यूरो ( सीबीआई ) को सौंपा था।

जांच के दौरान एजेंसी ने कई ठिकानों पर छापेमारी कर महत्वपूर्ण दस्तावेज और सबूत जब्त किए, जिससे इस पूरे रैकेट का खुलासा हुआ।सीजीपीएससी भर्ती घोटाले ने प्रदेश की प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। फिलहाल मामला अदालत में विचाराधीन है और सीबीआई की जांच जारी है।

## देर रात क्लब में पुलिस का छापा: नशे में झूम रहे युवक-युवतियां पकड़े गए, नोटिस जारी

भिलाई,,26 सितंबर ( एजेंसी )। सुपेला थाना क्षेत्र अंतर्गत स्मृति नगर पुलिस चौकी के समीप स्थित सूर्या मॉल में संचालित लिस्टोमेनिया क्लब एंड किचन में पुलिस ने देर रात छापा मारा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ( भिलाई-दुर्ग शहर ) सुखनंदन राठौर के निर्देश पर सुपेला थाना प्रभारी निरीक्षक विजय यादव के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।मिली जानकारी के अनुसार, क्लब में देर रात तक बिना अनुमति शराब परोसी जा रही थी। अंदर युवक-युवतियां नशे की हालत में झूमते हुए पाए गए। पुलिस के पहुंचते ही क्लब में अफ्रा-तफ्री मच गई। कई युवक-युवतियां पीछे के दरवाजे से भागने की कोशिश करते हुए भी देखे गए।यह कार्रवाई रात करीब 12:15 बजे के बाद की गई, जब क्लब को बंद हो जाना चाहिए था। पुलिस ने मौके से कई युवाओं को हिरासत में लिया और क्लब संचालकों को नोटिस थमाया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्लब को किस आधार पर देर रात तक संचालन की अनुमति दी गई थी और वहां पर परोसी जा रही शराब के लाइसेंस वैध हैं या नहीं। एसएसपी विजय अग्रवाल ने साफकिया है ।

## शोरूम से बाइक व नकदी पार

रायपुर, 26 सितम्बर ( एजेंसी )। चंपारण चौकी नयापारा स्थित बजाज शोरूम का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने 1 पल्सर बाइक, मोबाइल फोन और नकदी 1508 रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर गोबरानवापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मोहम्मद साहिद रिजवी 32 वर्ष गांधी चौक नयापारा का रहने वाला है। प्रार्थी का चंपारण चौकी नयापारा में बाइक शोरूम है। बताया जाता है कि अज्ञात चोर ने बीती रात शोरूम के शटर का ताला तोड़कर 1 पल्सर बाइक, मोबाइल फोन और नकदी 1508 रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर गोबरानवापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

## सीतापुर वन परिक्षेत्र में हाथी पुराने कुएं में गिरा, रेस्क्यू अभियान जारी

अंबिकापुर, 26 सितम्बर ( आरएनएस )। सरगाखेजुरपारा गांव में सोमवार सुबह एक जंगली हाथी पुराने और गहरे कुएं में गिर गया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। यह घटना सीतापुर वन परिक्षेत्र की है, जहां एक किसान के घर के पास से गुजरते समय हाथी फिसलन भरे सकरे रास्ते पर चलते हुए संतुलन खो बैठा और रास्ते के किनारे स्थित मिट्टी के पुराने कुएं में जा गिरा।

हाथी के गिरने की तेज आवाज सुनते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। खबर मिलते ही फॉरेस्ट विभाग की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया।

फिलहाल हाथी को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू टीम पूरी मुस्तैदी से प्रयास कर रही है। कुएं की गहराई और रास्ते की स्थिति को देखते हुए बचाव कार्य में सावधानी बरती जा रही है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि हाथी की स्थिति पर नजर रखी जा रही है और उसे सुरक्षित निकालने की हर संभव कोशिश की जा रही है। ग्रामीणों ने भी रेस्क्यू में सहयोग किया है और घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे बचाव कार्य में बाधा न डालें और दूरी बनाए रखें।

## जिला बालोद को बाल विवाह मुक्त घोषित करने की कवायद

रायपुर, 26 सितबंर ( एजेंसी )। देश में बाल विवाह रोकने के लिएसरकार द्वारा युद्ध स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं, अब बालोद जिलों भी बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय घोषित किया जाएगा। इसके लिए शासकीय औपचारिकताएं की जा रही है। प्रदेश में पिछले कई वर्षों से बाल विवाह को रोकने के महिला एवं बाल विकास द्वारा जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में बालिकाओं के शिक्षा के प्रति जागरूकता के कारण यह अभियान सफल हो रहा है। जिला बालोद के महिला एवं बाल विकास विभाग की अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में पिछले दो वर्षों से ग्राम पंचायतों तथा नगरीय निकायों में बाल विवाह प्रकरण नहीं मिले हैं। बालोद जिले में कुल 436 ग्राम पंचायतें तथा 9 नगरीय निकाएं हैं। सरकार द्वारा इस जिले को बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय घोषित किए जाने के लिए एक प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।

जिला कार्यक्रम अधिकारी के अनुसार इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्थान को कोई आपत्ति हो तो 7 दिन के अंदर जिला कार्यक्रम अधिकारी बालोद के पक्ष में आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। ज्ञात रहे बालोद जिले में इस समय डीएम फंड से एक बड़ी राशि का प्रावधान है, जिसके कारण यह पूर्ववर्ती जिला दुर्ग में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। डौण्डीलोहारा में बालोद जिले का बनेगा नया सिविल न्यायालय भवन बालोद जिला के डौण्डीलोहारा के तहसीलदार द्वारा जारी निर्देशानुसार ग्राम डौण्डी लोहारा के ग्राम संबलपुर में बालोद जिले के नए सिविल न्यायालय के लिए भूमि का आबंटन किया जाएगा। यह आबंटन हाईकोर्ट द्वारा प्राप्त ज्ञापन के आधार पर किया जा रहा है।

## कोलिहामार गांव में युवक की संदिग्ध मौत, नहर किनारे मिला शव

बालोद,26सितंबर ( एजेंसी )। जिले के गुरूर थाना क्षेत्र के कोलिहामार गांव में सोमवार सुबह एक युवक का शव नहर के किनारे मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। शव देख ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद गुरूर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान फागुनदहा गांव निवासी 27 वर्षीय पुष्पेंद्र साहू के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में जहरीला पदार्थ सेवन करने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।पुलिस के अनुसार, घटनास्थल से अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। वहीं, युवक के परिजनों से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसने आत्मघाती कदम क्यों उठाया।गुरूर थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और रिपोर्ट का इंतजार है।घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है और ग्रामीण इस घटना से स्तब्ध हैं।

## कचरा फैलाने पर दो कबाड़ी दुकान की गई सील

रायपुर, 26 सितबंर ( एजेंसी )। रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर प्राप्त जनशिकायतों की वस्तुस्थिति की जानकारी लेने रायपुर नगर निगम जोन 1 जोन कमिश्नर डा. दिव्या चंद्रवंशी के नेतृत्व और कार्यपालन अभियंता डी. के. पैकरा, जोन स्वास्थ्य अधिकारी खेमलाल देवांगन की उपस्थिति में नगर निगम स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा नगर निगम जोन क्रमांक 1 अंतर्गत यतियतनलाल वार्ड क्रमांक 4 के अंतर्गत भनपुरी मुख्य मार्ग में शराब दुकान के अहाते की स्वच्छता व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया गया. निरीक्षण के दौरान प्राप्त जनशिकायत सही पायी गयी और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग और कचरा फैलाया जाना पाया गया. इस पर जोन कमिश्नर के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी ने भनपुरी मुख्य मार्ग पर शराब दुकान के अहाते को तत्काल सीलबंद करने की कार्यवाही की। इसी प्रकार नगर निगम जोन 1 अंतर्गत वीर शिवाजी वार्ड क्रमांक 16 क्षेत्र अंतर्गत संतोषी नगर खमतराई में दो कबाड़ी दुकानों में कचरा फैलाया जाना पाकर और इस सम्बन्ध में प्राप्त जनशिकायत निरीक्षण में सही पाए जाने पर जोन 1 जोन कमिश्नर के निर्देश पर सम्बंधित दो कबाड़ी दुकानों को तत्काल सीलबंद करने की कार्यवाही की गयी और प्राप्त जनशिकायतों का त्वरित निदान किया गया।

# प्रदेश में हल्की व मध्यम वर्षा होने का पूर्वानुमान

## दक्षिण छत्तीसगढ़ में भारी वर्षा होने की संभावना

रायपुर, 26 सितबंर ( एजेंसी )। उत्तरी भारत से यहां मानसून की विदाई के अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं, वहीं छत्तीसगढ़ में एक चक्रीय चक्रवात बनने के कारण हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है, वर्षा का मुख्य केन्द्र दक्षिण छत्तीसगढ़ में रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक से मिली जानकारी के अनुसार गुजरात के कुछ और भाग, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब, उत्तर प्रदेश के कुछ भाग, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर से दक्षिण पश्चिम मानसून की विदाई के लिए अगले दो-तीन दिनों में अनुकूल परिस्थितियों बनी हुई है। एक कम दबाव का क्षेत्र उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी और उसके आसपास स्थित है तथा इसके साथ ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण 5.8 की किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। इसके पश्चिम उत्तर पश्चिम दिशा में अगले 24 घंटे में आगे बढ़ते हुए उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी में पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक दूसरा नया कम दबाव का क्षेत्र पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे लगे उत्तर बंगाल की खाड़ी के ऊपर 25 सितंबर को बनने की संभावना है। इसके पश्चिम उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए और ज्यादा प्रबल होकर और दाब के रूप में उत्तर पश्चिम बंगाल के खाड़ी और उससे लगे पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी-दक्षिण उड़ीसा और उत्तर आंध्र प्रदेश के तट से दूर 26 सितंबर को बनने की संभावना है । इसके दक्षिण ओडिशा और उत्तर आंध्र प्रदेश तट के पास 27 सितंबर को पहुंचने की संभावना है। एक द्रोणिका उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी में स्थित ऊपरी हवा के चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण से कर्नाटक तक 3.1 किलोमीटर से 4.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। मौसम वैज्ञानिक से मिली जानकारी के अनुसार एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर पूर्व उत्तर प्रदेश और उसके आसपास स्थित है तथा यह 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है।

प्रदेश में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश में 1-2 स्थानों पर गरज चमक के साथ भारी वर्षा होने तथा वज्रपात होने की संभावना है। प्रदेश में भारी वर्षा का क्षेत्र मुख्यतः दक्षिण छत्तीसगढ़ रहने की संभावना है ।

## छत्तीसगढ़ शराब घोटाला

# ईओडब्ल्यू की बड़ी कार्रवाई, कई ठिकानों पर छापे और जयचंद कोसले गिरफ्तार

रायपुर,26 सितंबर ( एजेंसी )। छत्तीसगढ़ के चर्चित शराब और कोयला घोटाला मामलों में आर्थिक अपराध शाखा ( ईओडब्ल्यू ) ने अपनी जांच तेज कर दी है। रविवार को राजधानी रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में कुल 10 जगहों पर छापेमारी की गई। सोमवार को पूर्व आईएएस सौम्या चौरसिया के निजी सचिव रहे जयचंद कोसले को गिरफ्तार कर एसीबी / ईओडब्ल्यू की विशेष अदालत में पेश किया गया। जयचंद पर आरोप है कि उन्होंने कोयला घोटाले से करीब 50 लाख रुपए की अवैध कमाई की। फिलहाल ईओडब्ल्यू उसकी 14 दिनों की पुलिस रिमांड लेने का प्रयास कर रही है।शराब घोटाले की जांच में क्या हुआ?ईओडब्ल्यू ने शराब कारोबारियों पर भी सख्ती दिखाई है। रायपुर में शराब व्यापारी अवधेश यादव और उनके सहयोगियों के तीन ठिकानों पर छापे मारे गए। छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में महत्वपूर्ण दस्तावेज, मोबाइल फोन, नकदी और तकनीकी उपकरण जब्त किए गए हैं। यह जांच अभी जारी है और अब तक कई अहम सबूत मिले हैं।कोयला घोटाले का विस्तार

ईडी की जांच में सामने आया है कि राज्य के उच्च पदस्थ राजनेताओं और अधिकारियों की मिलीभगत से कोयला परिवहन के लिए मिलने वाले ऑनलाइन परमिट को ऑफलाइन कर दिया गया और इस प्रक्रिया में कोयला व्यापारीयों से अवैध वसूली की गई।जुलाई 2020 से जून 2022 के बीच हर टन कोयले पर 25 रुपये की गैरकानूनी रकम वसूली गई। इस घोटाले के पीछे तत्कालीन खनिज विभाग के निदेशक आईएएस समीर बिश्नोई के आदेश का हाथ बताया जा रहा है। यह परमिट कोल व्यापारियों को दिया जाता था ताकि वे कोयला परिवहन कर सकें।मास्टरमाइंड और घोटाले की रकमइस पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड कोल व्यापारी सूर्यकांत तिवारी बताया गया है। जिन व्यापारियों ने पैसे दिए, उन्हें खनिज विभाग से पीट और परिवहन पास जारी किया गया। हर टन कोयले पर 25 रुपये की यह रकम सूर्यकांत के कर्मचारियों के पास जमा होती थी, जिससे करीब 570 करोड़ रुपये की भारी वसूली हुई।रिश्वतखोरी और राजनीतिक गठजोड़जांच में यह भी सामने आया है कि इस अवैध धनराशि का एक बड़ा हिस्सा सरकारी अधिकारियों और राजनेताओं को रिश्वत देने में खर्च किया गया। इसके अलावा, यह रकम चुनावी खर्चों में भी इस्तेमाल हुई। आरोपियों ने इस राशि से कई चल-अचल संपत्तियां भी खरीदीं। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला- क्या है पूरा मामला?छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले के तहत यह आरोप है कि कुछ व्यापारियों और अधिकारियों ने मिलकर नियमों का उल्लंघन करते हुए अवैध तरीके से शराब लाइसेंस और ठेके जारी किए। इस प्रक्रिया में भारी भ्रष्टाचार हुआ, जिससे सरकारी खजाने को लाखों रुपये का नुकसान हुआ। आर्थिक अपराध शाखा ने इस मामले में भी कई ठिकानों पर छापेमारी की है और जांच जारी है।छत्तीसगढ़ में हुए ये घोटाले सरकार और प्रशासन में व्याप्त गड़बड़ी, भ्रष्टाचार और राजनीतिक साजिशों को उजागर करते हैं।

## अबूझमाड़ के जंगलों में मुठभेड़, सुरक्षाबलों ने दो नक्सलियों को किया ढेर

नारायणपुर,26 सितंबर ( एजेंसी )। महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा से सटे अबूझमाड़ क्षेत्र में चल रहे सुरक्षा अभियान के तहत सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। सोमवार सुबह से शुरू हुई मुठभेड़ में जवानों ने दो माओवादियों को मार गिराया है। मौके से दोनों के शव, एक,त्र-47 रायफल सहित कई हथियार, विस्फोटक सामग्री और नक्सली दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस को क्षेत्र में माओवादी गतिविधियों की सूचना मिली थी, जिसके बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इसी दौरान अबूझमाड़ के घने जंगलों में माओवादी तत्वों के साथ मुठभेड़ हुई, जो अब भी रुक-रुक कर जारी है।अब तक की कार्रवाई में दो पुरुष नक्सली मारे जा चुके हैं, हालांकि मारे गए नक्सलियों की संख्या और बढ़ सकती है क्योंकि सुरक्षाबलों की घेराबंदी और तलाशी अभियान जारी है।इस ऑपरेशन को माओवादी कोर ज़ोन में सुरक्षाबलों की बड़ी रणनीतिक कामयाबी माना जा रहा है।

## काछन देवी ने दी अनुमति, ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व हुआ शुरू

जगदलपुर, 26 सितम्बर ( आरएनएस )। विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व का एक महत्वपूर्ण काछनगादी पूजा विधान रविवार को संपन्न हुआ। इस विधान में मिरगान समाज की कुंवारी कन्या काछनदेवी कांटे की झूले पर सवार होकर बस्तर दशहरा पर्व निर्विघ्न संपन्न होने के साथ अपनी अनुमति प्रदान करती हैं। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व का प्रमुख विधान काछनगादी रस्म में काछनदेवी ने मिरगान समाज की एक कुंआरी कन्या पर सवार होकर और बेल के कांटों से बने झूले में झूलकर दशहरे के निर्विघ्न आयोजन की अनुमति और आशीर्वाद प्रदान किया। काछनदेवी से बस्तर के माटी पुजारी कमलचंद भंजदेव ने बस्तर दशहरा के निर्विघ्न आयोजन की अनुमति मांगी। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद एवं अध्यक्ष बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष महेश कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण देव, महापौर शसंजय पांडे, अन्य जनप्रतिनिधियों सहित बस्तर दशहरा पर्व के परंपरागत सदस्य मांझी, चालकी, नाइक, पाइक, मेंबर, मेंबरिन, पुजारी, गायता, बस्तर कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी, कलेक्टर हरिस एस, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, अपर कलेक्टर सीपी बघेल और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।काछनगादी रस्म का महत्वबस्तर दशहरे में काछनगादी रस्म अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इसके बिना बस्तर दशहरे की शुरुआत नहीं होती। मान्यता है कि रण की देवी काछनदेवी, आश्विन अमावस्या के दिन पनका जाति की एक कुंआरी कन्या के शरीर में प्रवेश करती हैं। यह कन्या, जिसे देवी का स्वरूप माना जाता है, भंगाराम चौक स्थित काछनगुड़ी में बेल के कांटों से बने एक विशेष झूले पर लेटकर दशहरे के सफल आयोजन की अनुमति देती है। इस वर्ष भी 10 साल की बच्ची पीहू दास पर सवार देवी ने यह आशीर्वाद दिया। ज्ञात हो कि बस्तर दशहरा पर्व यहां पर सामाजिक समरसता का एक अनुपम उदाहरण है और बस्तर के स्थानीय विभिन्न समाजों के लिए बस्तर दशहरा पर्व में पृथक-पृथक दायित्व बंटे हुए हैं जिसे सभी समाजों के सदस्यों द्वारा पूरी तरह से सहकार की भावना के साथ निर्वहन किया जाता है।परंपराओं का पालनकाछनगादी पूजा विधान के लिए रविवार को सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। काछनगुड़ी को फूलों और रोशनी से सजाया गया था। पुजारी और राज परिवार के सदस्य परंपरानुसार देवी से अनुमति लेने पहुंचे। जैसे ही काछनदेवी ने झूले पर लेटकर अनुमति दी, पूरा क्षेत्र बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के जयकारों और आतिशबाजी से गूंज उठा।

## शब्द सामर्थ्य -054

( भागवत साहू )

**बाएं से दाएं**

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

**ऊपर से नीचे**

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | ■ | 2 | ■ | 3 | | 4 | |
| | ■ | 5 | | | ■ | ■ | | ■ |
| 6 | | | | ■ | 7 | 8 | | 9 |
| | ■ | | ■ | 10 | | | ■ | |
| ■ | 11 | | | | ■ | 12 | | |
| 13 | | ■ | ■ | 14 | 14ए | | ■ | ■ |
| | ■ | 15 | | | | ■ | 16 | ■ |
| | ■ | | ■ | | ■ | 17 | | 18 |
| ■ | 19 | | | ■ | 20 | | | |

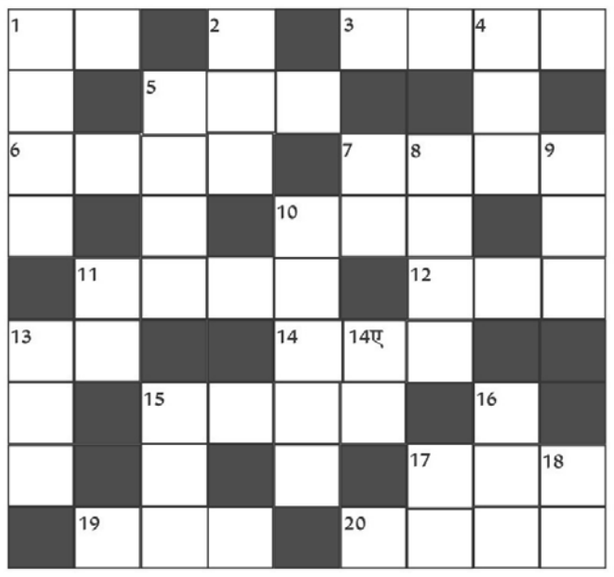

### शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| खा | म | खां | ■ | ■ | इं | ■ | ■ | ■ |
| स | ह | ■ | ब | र | सा | त | ■ | प |
| ■ | क | हा | नी | ■ | न | क | च | ढ़ा |
| त | ■ | ■ | स्ब | ■ | ■ | ली | ■ | ई |
| क | या | म | त | ■ | क | फ | न | ■ |
| दी | ■ | र्दा | ■ | बा | बू | ■ | ह | वा |
| र | ह | ना | ■ | ल | त | खो | र | ■ |
| ■ | वा | ■ | नौ | क | र | ■ | ■ | सा |
| भा | ई | ■ | का | ■ | ■ | बा | द | ल |

# सुपर-4 में लगातार दूसरी हार से श्रीलंका की दावेदारी खतरे में, पाकिस्तान दूसरे पायदान पर पहुंचा

अबु धाबी ,26 सितंबर (एजेंसी)। एशिया कप के सुपर-4 मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने कामिंदु मेंडिस की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में आठ विकेट पर 133 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान ने हुसैन तलत और मोहम्मद नवाज की नाबाद अर्धशतकीय साझेदारी के दम पर 18 ओवर में पांच विकेट पर 138 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

पाकिस्तान ने श्रीलंका को पांच विकेट से हराकर एशिया कप के फाइनल की दौड़ में खुद को बरकरार रखा है। वहीं, चरिथ असलंका के नेतृत्व वाली टीम के लिए फाइनल में पहुंचना अब लगभग मुश्किल हो गया है। मंगलवार को अबु धाबी में खेले गए एशिया कप के सुपर-4 मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने कामिंदु मेंडिस की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में आठ विकेट पर 133 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान ने हुसैन तलत और मोहम्मद नवाज की नाबाद अर्धशतकीय साझेदारी के दम पर 18 ओवर में पांच विकेट पर 138 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

नवाज और तलत की अर्धशतकीय साझेदारी

भारत के खिलाफ पिछले मैच में शिकस्त झेलने वाले पाकिस्तान ने श्रीलंका के 134 रन के लक्ष्य को मोहम्मद नवाज (नाबाद 38 रन, 24 गेंद, तीन चौके, तीन छक्के) और तलत (नाबाद 32 रन, 30 गेंद, चार चौके) के बीच छठे विकेट की 58 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत हासिल कर लिया। श्रीलंका की ओर से महीश तीक्षणा (24 रन पर दो विकेट) और वानिंदु हसरंगा (27 रन पर दो विकेट) की स्पिन जोड़ी ने उम्दा गेंदबाजी की लेकिन श्रीलंका को हार से नहीं बचा पाए।



श्रीलंका ने इससे पहले शाहीन (28 रन पर तीन विकेट), तलत (18 रन पर दो विकेट) और हारिस रऊफ (37 रन पर दो विकेट) की उम्दा गेंदबाजी के सामने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम आठ विकेट पर 133 रन ही बना सकी। लेग स्पिनर अबरार अहमद ने भी किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में आठ रन देकर एक विकेट चटकाया। श्रीलंका को अच्छी साझेदारी के लिए जूझना पड़ा। टीम की ओर से कामिंदु मेंडिस 44 गेंद में दो छक्कों और तीन चौकों से 50 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने चमिका करुणारत्ने (नाबाद 17) के साथ सातवें विकेट के लिए 43 रन जोड़कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया जो पारी की सबसे बड़ी साझेदारी भी रही। कामिंदु के अलावा सिर्फ कप्तान चरिथ असलंका (20) ही 20 रन के स्कोर को छू पाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे पाकिस्तान को साहिबजादा फरहान (24) और फखर जमां (17) की सलामी जोड़ी ने 45 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। फखर ने दुष्मंता चमीरा पर पारी का पहला चौका जड़ा जबकि फरहान ने तीसरे ओवर में नुवान तुषारा को निशाना बनाते हुए उनके ओवर में दो छक्के और एक चौके से 18 रन बटोरे। फखर नौ रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब महीश तीक्षणा की गेंद पर विकेटकीपर कुसाल मेंडिस ने उन्हें स्टंप करने का मौका गंवा दिया।

तीक्षणा ने अपने अगले ओवर में फरहान और फखर को तीन गेंद के भीतर आउट करके पाकिस्तान को दोहरा झटका दिया। फरहान ने मिड ऑफ पर कामिंदु को आसान कैच थमाया जबकि वानिंदु हसरंगा ने मिड ऑफ पर फखर का शानदार कैच लपका। पाकिस्तान ने पावर प्ले में दो विकेट पर 48 रन बनाए। हसरंगा ने सैम अयूब (02) को बोल्ड करके पाकिस्तान को तीसरा झटका दिया और फिर कप्तान सलमान आगा (05) को पगबाधा करके स्कोर 57 रन पर चार विकेट किया।

हुसैन तलत और मोहम्मद हारिस (13) कुछ देर के लिए विकेटों के पतन पर विराम लगाया लेकिन चमीरा ने हारिस को बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ दिया। मोहम्मद नवाज ने हसरंगा पर लगातार दो चौके मारे और फिर तुषारा पर चौके के साथ 15वें ओवर में पाकिस्तान के रनों का शतक पूरा किया। पाकिस्तान को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 30 रन की दरकार थी। तलत ने हसरंगा पर दो चौकों के साथ दबाव कम किया जबकि नवाज ने चमीरा पर तीन छक्कों के साथ टीम की जीत सुनिश्चित की।

कामिंदु मेंडिस का पचासा

इससे पहले पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने टॉस जीतकर श्रीलंका को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया और उनके गेंदबाजों ने इस फैसले को सही साबित करते हुए पावर प्ले के भीतर ही विरोधी टीम का स्कोर तीन विकेट पर 53 रन कर दिया। श्रीलंका ने मैच की दूसरी ही गेंद पर कुसल मेंडिस (0) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने शाहीन की गेंद पर तलत को कैच थमाया।

सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका (08) ने शाहीन पर छक्का मारा लेकिन अगली गेंद पर विकेटकीपर मोहम्मद हारिस को कैच दे बैठे। असलंका ने आते ही शाहीन पर छक्का मारा जबकि फहीम पर भी दो चौके जड़े लेकिन रऊफ ने कुसाल परेरा (15) को फहीम अशरफ के हाथों कैच कराके श्रीलंका को तीसरा झटका दिया। कामिंदु ने रऊफ की लगातार गेंदों पर चौके और छक्के के साथ तेवर दिखाए लेकिन तलत ने असलंका (20) और दसुन शनाका (0) को लगातार गेंदों पर पवेलियन भेजकर श्रीलंका का स्कोर 58 रन पर पांच विकेट कर दिया। कामिंदु और वानिंदु हसरंगा (15) ने इसके बाद विकेटों के पतन पर विराम लगाया लेकिन दोनों रन गति में इजाफा करने के नाकाम रहे। हसरंगा रन गति बढ़ाने के दबाव में स्पिनर अबरार की गेंद पर बोल्ड हो गए।

श्रीलंका की टीम 15 ओवर में छह विकेट पर 88 रन ही बना सकी। कामिंदु ने तलत पर चौका जड़ा और फिर रऊफ पर चौके के साथ 17वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया।

कामिंदु ने फहीम पर छक्का जड़ने के बाद शाहीन की गेंद पर दो रन के साथ 43 गेंद में अर्धशतक पूरा किया लेकिन अगली गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए।

# श्रेयस अय्यर ने लिया टेस्ट प्रारूप से ब्रेक, वेस्टइंडीज के खिलाफ चयन से पहले लिखा अगरकर को पत्र

नई दिल्ली,26 सितंबर (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने अचानक टेस्ट क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला किया है। इसकी जानकारी उन्होंने भारतीय टीम की चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर को पत्र लिखकर दी।

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने अचानक टेस्ट क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला किया है। इसकी जानकारी उन्होंने भारतीय टीम की चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर को पत्र लिखकर दी। बता दें कि, अय्यर ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ शुरू हुए दूसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच में भारत ए की कप्तानी छोड़ दी थी। उनकी जगह ध्रुव जुरेल को टीम की अगुवाई का जिम्मा सौंपा गया। पीठ की समस्या से जूझ रहे अय्यर समाचार एजेंसी पीटीआई ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र के हवाले से कहा, उन्होंने (श्रेयस अय्यर) इंडिया ए टीम प्रबंधन को बताया कि वह निजी कारणों से मुंबई गए हैं, वहीं उन्होंने चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर को पत्र लिखकर बताया कि उनकी पीठ फिलहाल प्रथम श्रेणी और टेस्ट क्रिकेट में खेलने में सक्षम नहीं है। इससे पहले अय्यर के नेतृत्व में भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ पहला अनौपचारिक टेस्ट मैच खेला था। यह मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ था। घरेलू टेस्ट सीरीज में खेलना भी संदिग्धपीठ की समस्या से जूझ रहे अय्यर का अब वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने की शुरुआत में होने वाली दो टेस्ट मैचों की घेरलू सीरीज में भी खेलना



संदिग्ध माना जा रहा है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने हाल ही में बताया था कि वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए चयन समिति 23 या 24 सितंबर को ऑनलाइन बैठक करेगी और टीम का चुनाव होगा।

कब से शुरू होगी सीरीज?भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट मुकाबला दो अक्तूबर से अहमदाबाद में खेला जाएगा जबकि 10 अक्तूबर से खेले जाने वाले दूसरे मैच में दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। इससे पहले भारतीय टेस्ट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली थी, जो 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई थी। आगामी सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम का एलान हो चुका है।भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम- रोस्टन चेज (कप्तान), जोमेल वारिकन (उप-कप्तान), केवलन एंडरसन, एलिक अथानाजे, जॉन कैंपबेल, टैगनारायण चंद्रपॉल, जस्टिन ग्रीव्स, शाई होप, टेविन इमलाच, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एंडरसन फिलिप, खैरी पियरे, जेडन सील्स।क्रकेट से ब्रेक लेने का फैसला किया है। इसकी जानकारी उन्होंने भारतीय टीम की चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर को पत्र लिखकर दी। बता दें कि, अय्यर ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ शुरू हुए दूसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच में भारत ए की कप्तानी छोड़ दी थी। उनकी जगह ध्रुव जुरेल को टीम की अगुवाई का जिम्मा सौंपा गया। पीठ की समस्या से जूझ रहे अय्यर

समाचार एजेंसी पीटीआई ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र के हवाले से कहा, उन्होंने (श्रेयस अय्यर) इंडिया ए टीम प्रबंधन को बताया कि वह निजी कारणों से मुंबई गए हैं, वहीं उन्होंने चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर को पत्र लिखकर बताया कि उनकी पीठ फिलहाल प्रथम श्रेणी और टेस्ट क्रिकेट में खेलने में सक्षम नहीं है।

## जैसे को तैसा...हारिस रऊफ के विवादित जेट सेलिब्रेशन पर अर्शदीप ने दिया मुंहतोड़ जवाब

दुबई ,26 सितंबर (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में खेला गया एशिया कप सुपर-4 का मुकाबला चर्चा का विषय बना हुआ है। इसका सबसे बड़ा कारण पाकिस्तानी खिलाड़ियों का विवादित तरीके जश्न मनाना है। मुकाबले के दौरान हारिस रऊफ ने जेट सेलिब्रेशन किया था,



जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में खेला गया एशिया कप सुपर-4 का मुकाबला चर्चा का विषय बना हुआ है। इसका सबसे बड़ा कारण पाकिस्तानी खिलाड़ियों का विवादित तरीके जश्न मनाना है। मुकाबले के दौरान हारिस रऊफ ने जेट सेलिब्रेशन किया था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। बताया जा रहा है कि भारतीय दर्शकों ने उन्हें चिढ़ाने के लिए कोहली-कोहली के नारे लगाए थे, जिससे वह भड़क गए। रऊफ ने यह हरकत पहले दर्शकों की ओर और फिर संजू सैमसन का विकेट लेने के बाद भी दोहराई।साहिबजादा और रऊफ के विवादित सेलिब्रेशन का अर्शदीप ने दिया जवाबपाकिस्तानी गेंदबाज से पहले साहिबजादा फरहान ने अर्धशतक पूरा करने के बाद गनफायर सेलिब्रेशन किया था।

# व्यापार

# जीएसटी 2.0 की नई दरें प्रभावी, कांग्रेस ने बताया- डेढ़वां अवतार

नई दिल्ली ,26 सितंबर (एजेंसी)। जीएसटी की नई दरें नवरात्र के पहले दिन यानी आज से लागू हो रही हैं। अब जीएसटी के 5 फीसदी और 18 फीसदी के सिर्फ दो स्लैब रह गए हैं। नई दरें लागू होने के साथ रसोई के सामान से लेकर दवाइयां, गाड़ियां, कपड़े, मकान खरीदना-बनवाना, बीमा उत्पाद और एसी-टीवी जैसे कई उत्पाद सस्ते हो गए हैं। इसके अलावा, दूध के टेट्रापैक, रोटी, खाखरा, निजी स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा उत्पादों, पढ़ाई-लिखाई से जुड़ीं कुछ चीजों और 33 से अधिक जीवनरक्षक दवाओं को जीएसटी से मुक्त कर दिया गया है। आम आदमी तक कर राहत पहुंचे, इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारें कड़ी निगरानी कर रही हैं।2025केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने नई त्रस्ञ्ज दरों के लागू होने पर कहा, 卐त्रस्ञ्ज को 18% से घटाकर 5% करने से 1 लाख करोड़ से 1.5 लाख करोड़ रुपये की बचत का अनुमान है... मैं प्रधानमंत्री का बहुत आभारी हूं... हम नई योजनाएं भी ला रहे हैं। देश में बचत उत्सव मनाया जा रहा है, यह 75 वर्षों में सबसे बड़ा जनहितैषी सुधार है...2025जीएसटी सुधारों के कार्यान्वयन पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 卐मैं सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं देना चाहता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टैक्स स्लैब को कम करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है, जिससे हर घर को बचत करने में मदद मिलेगी। बचत महोत्सव शुरू हो गया है। दुकानदार और ग्राहक दोनों बहुत खुश हैं... हमें अपने दैनिक जीवन में यथासंभव स्वदेशी का उपयोग करने का एक और संकल्प लेने की आवश्यकता है।अरुणाचल में पीएम बोले- यादगार बनने वाला है जीएसटी बचत उत्सवप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में रैली को संबोधित करते हुए कहा, 卐आज से जीएसटी को हमने सिर्फ 2 स्लैब तक सीमित कर दिया है-5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत। बहुत सारी चीजें अब टैक्स फ्री हो गई हैं, और बाकी चीजें भी अब





सस्ती हो गई हैं। यह त्रस्ञ्ज बचत उत्सव आपके लिए बहुत यादगार बनने वाला है।सीएम योगी बोले- जीएसटी अर्थव्यवस्था को नई गति देगा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, 卐त्रस्ञ्ज में अब तक के सबसे बड़े सुधार करके उसके दर को घटाकर 5% और 0 पर लाया गया है। अन्नदाता किसानों के लिए त्रस्ञ्ज की दर को 5% लाया गया है। यह सुधार भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति देगा। आज इन त्रस्ञ्ज सुधारों के लिए हमने यहां व्यापारियों और स्थानीय लोगों के साथ संवाद भी बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए हर व्यापारी और उपभोक्ता उत्साह और उमंग के साथ इस आयोजन के साथ जुड़ रहा है।अरुणाचल प्रदेश में रिजिजू ने गिनाए जीएसटी सुधार के लाभकेंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, 卐आज नवरात्रि की शुरुआत हुई है। आज ऐतिहासिक दिवस इसलिए भी है कि आज त्रस्ञ्ज सुधार लागू होने का पहला कार्यक्रम पीएम मोदी का अरुणाचल प्रदेश से शुरू हुआ है। अरुणाचल प्रदेश से कोई भी शुभ काम जब शुरू होता है तो वो तुरंत पूरे देश में फैल जाता है...जिससे सबको लाभ मिलेगा।केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने नई जीएसटी दरें लागू होने पर कहा, सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं...पीएम मोदी और वित्त मंत्री का धन्यवाद करता हूं कि जो इतने साल से मांग चल रही थी कि त्रस्ञ्ज रेट में सुधार किया जाए। उन्होंने इस मांग को स्वीकार किया। इस सुधार से लोगों को काफी राहत मिली है। ंग्रेस सांसद जयराम रमेश ने नई जीएसटी दरों के लागू होने पर कहा, 卐ये जो दर कटे हैं क्या उसका लाभ उपभोक्ताओं को मिलेगा या ग्राहकों को मिलेगा इस पर बड़ा सवाल है...तो ये पूरा त्रस्ञ्ज सुधार नहीं है ये दूसरा अवतार नहीं बल्कि डेढ़वा अवतार है। ये लोग हर एक चीज का उत्सव मानते हैं और हमें जो ट्रंप से निपटना है उन्होंने जो टैरिफ लगाया और दूसरी तरफ हमारी वीजा को खत्म कर रहे हैं ये सब ध्यान कही और ले जाने के लिए किया जा रहा है। त्रस्ञ्ज में आपने जो सुधार लाया इसमें आपको 8 साल लगा क्या 8 साल पहले आप सो रहे थे। ये आपको 8 साल पहले करना चाहिए था।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया, %मोदी सरकार का नवरात्रि के शुभ अवसर पर देश की सभी माताओं-बहनों को नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म का उपहार! मोदी जी ने देशवासियों से त्रस्ञ्ज रिफॉर्म का जो वादा किया था, वह आज से पूरे देश में लागू हो गया है। इस त्रस्ञ्ज में 390 से अधिक वस्तुओं पर टैक्स में ऐतिहासिक कमी की गई है। खाद्य एवं घरेलू सामान, होम बिल्डिंग व मैटेरियल्स, ऑटोमोबाइल, कृषि, सेवाएँ, खिलौने, स्पोर्ट्स व हैंडीक्राफ्ट्स, शिक्षा, चिकित्सा व स्वास्थ्य, बीमा जैसे क्षेत्रों में त्रस्ञ्ज में अभूतपूर्व राहत से देशवासियों के जीवन में खुशियाँ आएँगी और उनकी बचत भी बढ़ेगी।भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी और निर्मला सीतारमण ने नवरात्रि, दिवाली और छठ पूजा से पहले देश को दिवाली का बहुत बड़ा तोहफा दिया है। हम इसे बचत उत्सव% के रूप में मना रहे हैं।

## 395 उत्पादों पर टैक्स घटाना पीएम मोदी का बड़ा ऐलान, जीएसटी बचत उत्सव पर बोले गृह मंत्री शाह

नई दिल्ली ,26 सितंबर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी में कटौती को बचत उत्सव बताया है। आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक कार्यक्रम के दौरान इस एलान की सराहना करते हुए कहा कि 395 उत्पादों पर टैक्स घटाने का फैसला पीएम मोदी का बड़ा एलान है। शाह ने कहा कि मोदी समस्याओं से केवल लड़ते नहीं बल्कि उनका पूरा हल निकालने का साहस और क्षमता रखते हैं। गृह मंत्री ने और क्या बातें कहीं? जानिएकेंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा,



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 395 से अधिक वस्तुओं पर जीएसटी घटाने या कर की दरों को शून्य करने का जो फैसला लिया है वह बड़ा और ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि देश में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) अब स्थिर और सफल हो चुका है। इसलिए जनता को राहत देने का समय आ गया है। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार का यह निर्णय करदाताओं और सरकार के बीच भरोसे का नया युग लेकर आया है।जीएसटी परिषद की बैठक के बाद कर कटौती की सौगात

शाह ने सरकार की नीतियों को रेखांकित करते हुए कहा, पीएम मोदी ने राज्यों को उनके नुकसान की भरपाई की सांविधानिक गारंटी दी। यही कारण रहा कि बीते आठ साल में जीएसटी सार्वभौमिक रूप से स्वीकार्य और सफल हो सका। बता दें कि सोमवार से भारत में %नेक्स्ट-जन जीएसटी रिफॉर्म्स% लागू हो गए। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में इसका एलान किया था। इसके बाद जीएसटी परिषद की बैठक हुई थी ।

# एनएसई-बीएसई पर 21 अक्टूबर को 1 घंटे का दिवाली मुहूर्त ट्रेडिंग

नई दिल्ली नई दिल्ली ,26 सितंबर (एजेंसी)। स्टॉक एक्सचेंजों ने अलग-अलग बयानों में कहा कि प्रतीकात्मक ट्रेडिंग सत्र दोपहर 1:45 बजे से 2:45 बजे के बीच आयोजित किया जाएगा। पिछले वर्ष विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र शाम 6 बजे से 7 बजे तक आयोजित किया गया था।स्टॉक एक्सचेंज एनएसई और बीएसई दिवाली के त्योहार को चिह्नित करने के लिए मंगलवार, 21 अक्तूबर को एक विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र आयोजित करेंगे। सोमवार को शेयर बाजारों ने घोषणा की।इस बार मुहूर्त ट्रेडिंग के समय में बदलाव किया गया है। स्टॉक एक्सचेंजों ने अलग-अलग बयानों में कहा कि प्रतीकात्मक ट्रेडिंग सत्र दोपहर 1:45 बजे से 2:45 बजे के बीच आयोजित किया जाएगा। पिछले वर्ष विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र शाम 6 बजे से 7 बजे तक आयोजित किया गया था।

नया सत्र एक नए संवत (विक्रम संवत 2082) की शुरुआत का भी प्रतीक है। हिंदू कैलेंडर वर्ष दिवाली से शुरू होता है। यह माना जाता है कि मुहूर्त या शुभ घंटे के दौरान व्यापार करने से हितधारकों के लिए समृद्धि और वित्तीय विकास होता है।

दिवाली पर बाजार नियमित कारोबार के लिए बंद रहेगा, लेकिन एक घंटे के लिए विशेष कारोबार खुला रहेगा। एक्सचेंज



ने घोषणा की कि प्री-ओपनिंग सत्र दोपहर 1: 30 बजे से 1.45 बजे तक होगा। बाजार विश्लेषकों के अनुसार दिवाली को नए उद्यम शुरू करने के लिए एक शुभ अवसर माना जाता है, और कई निवेशकों का मानना है कि मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र में भाग लेने से पूरे वर्ष समृद्धि आती है। हालांकि, ट्रेडिंग विंडो केवल एक घंटे तक सीमित होने के कारण, बाज़ारों में अक्सर भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। विश्लेषकों का कहना है कि इस सत्र का महत्व तत्काल लाभ से ज़्यादा इसके प्रतीकात्मक मूल्य में निहित है।शेयर बाजारों द्वारा जारी अलग-अलग परिपत्रों के अनुसार, एक ही समयावधि में इक्विटी, कमोडिटी डेरिवेटिव्स, करेंसी डेरिवेटिव्स, इक्विटी वायदा एवं विकल्प, तथा प्रतिभूति उधार एवं उधार (एसएलबी) जैसे विभिन्न खंडों में कारोबार होगा।नया सत्र एक नए संवत (विक्रम संवत 2082) की शुरुआत का भी प्रतीक है। हिंदू कैलेंडर वर्ष दिवाली से शुरू होता है। यह माना जाता है कि मुहूर्त या शुभ घंटे के दौरान व्यापार करने से हितधारकों के लिए समृद्धि और वित्तीय विकास होता है दिवाली पर बाजार नियमित कारोबारी के लिए बंद रहेगा

## घरेलू निवेशकों ने 9 माह में खरीदे रिकॉर्ड 5.3 लाख करोड़ के शेयर, डीआईआई की सक्रियता में वृद्धि

नई दिल्ली नई दिल्ली ,26 सितंबर (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की सक्रियता में इस साल अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है। डीआईआई ने सिर्फ 9 महीनों में ही रिकॉर्ड 5.3 लाख करोड़ के शेयर खरीदे हैं, जो 2024 के पूरे साल में 5.22 लाख करोड़ के निवेश से अधिक है। यह खरीदी विशेष रूप से म्यूचुअल फंड्स ने की है, जिनका कुल खरीदारी में योगदान 3.65 लाख करोड़ रुपये रहा। इसमें हर महीने 25,000 करोड़ रुपये से अधिक का सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेश भी शामिल है। म्यूचुअल फंड्स के अलावा बीमा कंपनियों और





पेंशन फंड्स ने भी एक लाख करोड़ से अधिक निवेश किया। बाकी का निवेश पोर्टफोलियो मैनेजर्स, अल्टरनेटिव फंड्स, बैंक और अन्य संस्थाओं से आया है। इस मजबूत निवेश रुझान के बावजूद विश्लेषकों का कहना है कि बाजार में रिटर्न स्थिर होने और वैश्विक दबावों के कारण निवेशकों की धारणा में कमजोरी के संकेत देखे जा रहे हैं।वैश्विक बाजारों की तुलना में खराब प्रदर्शनडीआईआई की मजबूत खरीदारी के बावजूद भारतीय इक्विटी बाजार वैश्विक समकक्षों से पिछड़ गया है।

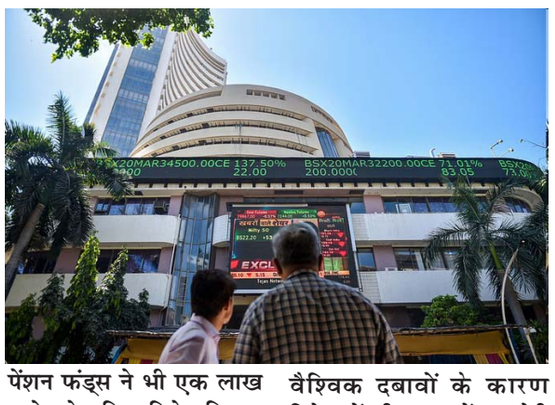

# कोयला कर्मियों को मिलेगा 1 लाख 3 हजार बोनस

## आधी रात को हुआ निर्णय, बोनस से बाजार में आएगी रौनक

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। आधी रात को कोयला कामगारों के पीएलआर यानी बोनस पर मुहर लगा दी गई। 2025 के लिए एक लाख तीन हजार रुपए बोनस तय किया गया है। समझौता पत्र पर हस्ताक्षर भी कर दिए गए हैं।

कोलकाता के एक होटल में आयोजित हुई सीआईएल के जेबीसीसीआई- 11 की मानकीकरण समिति की छठवीं बैठक गहमागहमी वाली रही। गुरुवार शाम 5 बजे करीब बैठक शुरू हुई। सीआईएल प्रबंधन ने 2024- 25 के कामकाज और वित्तीय स्थिति की रिपार्ट प्रस्तुत की। पहले ठेका श्रमिकों के बोनस पर चर्चा की गई। इसके बाद सीआईएल प्रबंधन ने स्थाई कामगारों के लिए 90 हजार 800 रुपए बोनस का प्रस्ताव रखा। यूनियन प्रतिनिधियों ने इसे खारिज कर दिया। एचएमएस, इंटक ने तो डेढ़ लाख रुपए तक की मांग रखी। सीआईएल प्रबंधन 98500 पर अड़ गया। यूनियन ने 1.30 लाख रुपए की मांग रखी। इस बीच श्रमिक प्रतिनिधियों ने दो बार बैठक से वॉकआउट किया। प्रबंधन नेताओं को मनाने में लगा रहा। कुछेक नेताओं ने कहा कि कल बात करेंगे। अंतत: आधी रात को तीसरी बार बैठक शुरू हुई और एक लाख तीन हजार रुपए पर जाकर सहमति बनी। बोनस का लाभ सीआईएल और एसीसीएल के स्थाई कामगारों को मिलेगा। आज से निर्धारित पीएलआर यानी बोनस राशि का भुगतान शुरू हो जाएगा। 2024 के मुकाबले 2025 में बोनस राशि में 9,250 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। 2024 में 93,750 रुपए बोनस का भुगतान हुआ था। कोयला कर्मियों को मिलने वाले भारी भरकम बोनस से बाजार में रौनक आएगी। एक तरफ जीएसटी रिफॉर्म से व्यापारियों को अच्छे कारोबार की उम्मीद है। रेलवे, बालको के बाद अब कोयला कर्मियों का बोनस भी तय हो गया है।

### आईएनएमएफ के प्रतिनिधि भी हुए शामिल

कोलकाता हाई कोर्ट के आदेश के बाद इंडियन नेशनल माइन वर्कर फेडरेशन ( आईएनएमएफ ) के प्रतिनिधि भी कोलकाता में आयोजित मानकीकरण कमेटी की बैठक में बोनस के मुद्दे पर चर्चा के लिए शामिल हुए। आईएनएमएफ की ओर से एसक्यू जामा, कुमार जयमंगल और जनक प्रसाद शामिल हुए। आईएनएमएफ का स्टैंड रहा कि वह कोर्ट के आदेश पर बैठक में शामिल हुए हैं। इसलिए उनके प्रतिनिधि सीआईएल की सुविधा को नकारते हुए खुद अपने खर्चे पर बैठक में आए हैं। हमारी जवाबदेही मज़दूरो के प्रति है इसलिए हम उनके हक़ और फायदे पर ही मानेंगे ना की मैनेजमेंट के आकड़ो को। कोल इंडिया के मुनाफे एवं अन्य सभी खर्चो को देखते हुए हम सम्मानजनक राशि पर मानेंगे अन्यथा नहीं।

## बालको कर्मियों को 1 लाख 89 हजार बोनस

बालको प्रबंधन ने अपने कर्मचारियों के लिए पिछले साल के बोनस में 15 प्रतिशत वृद्धि कर एक लाख 64 हजार 577 रुपए बोनस भुगतान किया था। इस बार भी 15 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। कर्मचारियों को अधिकतम एक लाख 89 हजार 264 रुपए बोनस दिया जाएगा। पिछले साल की तुलना में बोनस में 24 हजार 686 रुपए तक की बढ़ोतरी हुई है। बोनस पर सहमति बनने के बाद कर्मचारियों में खुशी की लहर है। दुर्गाष्टमी के दिन कर्मियों को बोनस मिल जाएगा। बालकों में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को भी अलग से बोनस प्रदान किया जाएगा। आउटसोर्सिंग के अंतर्गत अलग-अलग श्रेणी में बालकों में कार्यरत लगभग 8300 कर्मचारियों को बोनस मिलेगा। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को उनके मूल वेतन का बेसिक और एचआरए की राशि को मिलाकर उसका 8.33 प्रतिशत बोनस( एक्सग्रेशिया ) के तौर पर दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि ठेका कर्मचारियों को उनके श्रेणी के अनुसार न्यूनतम 12 हजार और अधिकतम 30हजार रुपए तक बोनस मिलेगा। इसे बालकों में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मचारियों में भी उत्साह का माहौल है।

## रेल कर्मियों का भी बोनस फाइनल

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उत्पादकता से जुड़े कोरबा जिले के लगभग 1200 से अधिक रेलवे कर्मचारियों को लगभग दो करोड़ 15 लाख रुपए से अधिक बोनस को मंजूरी दी है। प्रत्येक कर्मचारियों को 78 दिनों के वेतन के बराबर अधिकतम देय पीएलबी राशि 17 हजार 951 रुपए बोनस मिलेगा। इसे लेकर कर्मचारियों में उत्साह का माहौल है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल अंतर्गत कोरबा जिले में लगभग एक हजार से अधिक रेलवे कर्मचारी उत्पादकता से जुड़े हुए हैं। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कोयला लदान कार्य में शामिल है। कोरबा के इन कर्मचारियों के सहयोग से एसईसीआर जोन ने वर्ष 2024-25 में लगभग 253 मिलियन टन माल ढुलाई किया था, यह पिछले साल की तुलना में लगभग सात फीसदी से अधिक दर्ज लदान किया गया था। इसमें कोरबा के गेवरा, दीपका, कुसमुंडा, मानिकपुर व जुनाडीह साइडिंग की बदौलत कोयला लदान 194.7 मिलियन टन किया गया था, यह सभी जोनों पर सर्वाधिक था। इसे देखते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मां दुर्गा पूजा आर दशहरा उत्सव पर बोनस को मंजूरी दी है। प्रबंधन ने बताया कि प्रत्येक अराजपत्रित रेल कर्मचारियों को 78 दिनों के वेतन के बराबर पीएलबी राशि 17 हजार 951 रुपए प्राप्त होंगे। राशि विभिन्न श्रेणियों के रेल कर्मचारियों जैसे ट्रैक मेंटेनर, लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर ( गार्ड ), स्टेशन मास्टर, सुपरवाइजर, तकनीशियन, तकनीशियन हेल्पर, पॉइंट्समैन, मंत्रालयिक कर्मचारी और अन्य ग्रुप-सी कर्मचारियों को दी जाएगी। इसे लेकर रेल कर्मचारियों में खासा उत्साह है। लेकिन कर्मचारियों में एक तरफ नाराजगी भी सामने आ रही है।

## बाइक को टक्कर मारकर पलटी कार

### सीसीटीवी में कैद हुई दुर्घटना

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत कारखाना एरिया में गुरुवार को तेज रफ्तार मारुति ऑल्टो के-10 कार ने एक बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे का पूरा दृश्य पास के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल है।

फुटेज में नजर आ रहा है कि तेज रफ्तार से आ रही कार अचानक सामने से गुजर रही बाइक को टक्कर मार देती है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार युवक उछलकर सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद कार अनियंत्रित होकर सड़क पर पलटी खा गई। कार में महिला समेत तीन लोग सवार थे, जिन्हें मामूली चोटें आई हैं। वहीं, बाइक चला रहा युवक बुरी तरह जख्मी हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल 112 डायल कर पुलिस को सूचना दी और घायल को अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने सिम्स बिलासपुर रेफर कर दिया।घायल युवक की पहचान मोहनपुर निवासी के रूप में हुई है।

# तनेरा में हाथियों का खतरा बरकरार

## 54 की संख्या में कर रहे हैं विचरण

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। कटघोरा वनमंडल के पसान रेंज में हाथियों का खतरा लगातार बना हुआ है। यहां के तनेरा गांव में 54 की संख्या में हाथी लगातार मंडरा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को खतरा बना हुआ है। हाथियों के इस दल ने बीती रात उत्पात मचाते हुए ग्रामीणों की खेतों में लगे बड़ी मात्रा में धान की फसल को मटियामेट कर दिया, जिससे 27 ग्रामीण प्रभावित हुए हैं। उन्हें हाथियों के उत्पात के कारण काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना दिए जाने पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचकर हाथियों की निगरानी में जुट गए हैं, वहीं नुकसानी का आंकलन भी शुरू कर दिया गया है। हाथियों द्वारा क्षेत्र में लगभग एक सप्ताह से डेरा डालने तथा प्रतिदिन उत्पात मचाकर फसलों को रौंदे जाने तथा नष्ट किए जाने से ग्रामीण परेशान हैं। हाथियों की मौजूदगी के कारण उनमें भय भी व्याप्त है। हालांकि वन विभाग द्वारा क्षेत्र में मौजूद हाथियों की लगातार निगरानी की जा रही है। बावजूद इसके हाथियों का दल खेतों में पहुंचकर फसलों को बर्बाद करने में सफल हो जा रहा है जो कि चिंता का विषय है। वन विभाग तथा प्रशासन को चाहिए कि हाथी समस्या का स्थाई समाधानी ढूंढें तथा क्षेत्र में निवासरत ग्रामीणों को राहत दे। ज्ञात रहे हाथियों के इस दल में शामिल दंतैल हाथी ने कुछ दिन पूर्व लकड़ी जंगल गए एक ग्रामीणों को मौत के घाट उतार दिया था।

# असामाजिक तत्वों ने तीन वाहनों को किया आग के हवाले

## ग्राम तिलकेजा में मचाया तांडव

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत तिलकेजा में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात उपद्रवियों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। आधी रात करीब 2 बजे अज्ञात लोगों ने एक इक्को वाहन और दो मोटरसाइकिलों पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। देखते ही देखते वाहन धू-धू कर जलने लगे। घटना से गांव में हड़कंप मच गया।

घटना के समय पूरा गांव नींद में था, लेकिन अचानक उठी लपटों और धुएं ने ग्रामीणों को जगा दिया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन तब तक वाहन पूरी तरह जल चुके थे।पीड़ित वाहन मालिक नरेंद्र उरांव ( हरवंश ) ने बताया कि इस आगजनी में उनका लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। उनका कहना है कि यह वारदात गांव में दहशत फैलाने की सोची-समझी साजिश हो सकती है।

घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और ग्रामीण सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंतित दिखाई दे रहे हैं। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस उपद्रवियों की तलाश में जुट गई है। सामाजिक तत्वों की हरकत से ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीण आरोपियों पर सख्त कार्यवाही और जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

# रेलवे व पुलिस अफसरों ने जांची सुरक्षा की तैयारी

## स्टेशन में किया गया मॉकड्रिल

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। रेलवे स्टेशन में पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल ( आरपीएफ ) ने संयुक्त मॉकड्रिल का आयोजन किया। इस दौरान डॉग स्क्वायड की मदद से ट्रेन और प्लेटफॉर्म की गहन जांच की गई।

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर यह अभ्यास किया गया। एएसपी नीतिश ठाकुर के मार्गदर्शन में सीएसपी भूषण एक्का और रक्षित निरीक्षक अनथ राम पैकरा 17 अधिकारियों के साथ स्टेशन पहुंचे। आरपीएफ प्रभारी सुजीत कुमार अपने 13 कर्मचारियों के साथ पहले से मौजूद थे। अभ्यास के दौरान प्लेटफॉर्म पर एक बैग रखा गया। खोजी कुत्ते की मदद से बैग में रखे सामान की पहचान की गई। टीम ने संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान का अभ्यास भी किया। करीब एक घंटे तक चले इस अभ्यास के दौरान यात्री चिंतित दिखे। आरपीएफ नियमित रूप से विशेष जांच अभियान चलाती है। इसमें संदिग्ध व्यक्तियों पर कार्रवाई की जाती है और यात्रियों की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाता है। यह अभ्यास रेलवे स्टेशन पर किसी भी आपात स्थिति से निपटने की तैयारी का हिस्सा था।

# व्यक्ति मात्र के स्थान पर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना ही राष्ट्रभक्ति का मूल-डॉ प्रशांत

## कमला नेहरू कॉलेज में उपाध्याय की मनाई गई जयंती

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। व्यक्ति मात्र के स्थान पर राष्ट्र हित के ध्येय को सर्वोपरि रख कार्य करने वाला ही वास्तव में राष्ट्रभक्त है। यही भारत की संस्कृति और भारतीयता का मूल है। मानव मानव में भेद की भाषा तज कर सामाजिक समरसता को बनाए रखते हुए शरीर मन बुद्धि और आत्मा राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में युवाओं को योगदान देना चाहिए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का संपूर्ण जीवन इसी ध्येय पर केंद्रित रहा, जिनके दिखाए मार्ग और विचार बीते कल, आज और आने वाले कल के युवा भारत को प्रेरित करते रहेंगे। यह बातें गुरुवार को कमला नेहरु महाविद्यालय में एकात्म मानववाद विचारधारा के प्रवर्तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ प्रशांत बोपापुरकर ने कही। महाविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश पर आयोजित सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत 25 सितंबर को एक दिन एक घंटा एक साथ स्वच्छता श्रमदान का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बोपापुरकर के संरक्षण व रासेयो कार्यक्रम अधिकारी जीएम उपाध्याय के मार्गदर्शन में स्वयसेवकों ने महाविद्यालय के मुख्य द्वार से लेकर पार्किंग स्थल तक स्वच्छता के लिए श्रमदान किया। मंदिर परिसर में स्थापित राज परिवार की मंदिर के आसपास के स्थल से खरपतवारों तथा गंदगी को हटाया गया। कार्यक्रम के दौरान रासेयो जिला संगठक वायके तिवारी, वरिष्ठ स्वयंसेवक देवांश कुमार, किशोर चौहान, यशवंत दीक्षित, प्रियांशु मिश्रा आदि ने श्रमदान में स्वस्फूर्त भाग लिया। इसके पूर्व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रशांत बोपापुरकर ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित उन्हें नमन किया। रासेयो स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि शरीर मन बुद्धि और आत्मा राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में युवाओं को योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम में रासेयो जिला संगठक वायके तिवारी, कार्यक्रम अधिकारी जीएम उपाध्याय एवं प्रीति द्विवेदी सहायक अध्यापक वेदव्रत उपाध्याय तथा रासेयो स्वयंसेवक किशोर चौहान ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व एवं विचार पर अपने विचार प्रकट किए व उनके आदर्शों पर चलने की शपथ ली। कार्यक्रम में आयोजन रासेयो स्वयंसेवक संजय चतुर्वेदी, देवांश तिवारी, मुस्कान राजपूत, धारणा केवट, यशवंत दीक्षित, प्रियांशु मिश्रा की सराहनीय भूमिका रही।

# नक्सली उन्मूलन की तरह धर्मांतरण का भी जल्द ही होगा निर्मूलन- रामभद्राचार्य

## प्रवास पर पहुंचे संत जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने की मीडिया से चर्चा

कोरबा। संत जगद्गुरु रामभद्राचार्य राम कथा के लिए कोरबा प्रवास पर हैं। भवानी मंदिर के पास नवनिर्मित मानस मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में उनकी राम कथा चल रही है। गुरुवार को उन्होंने पत्रकारों से बातचीत की देश व धर्म से जुड़े कई मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखी। अक्सर वह जिस तरह के बयान देने के लिए सुर्खियों में रहते हैं ठीक उसी तरह की बातें उन्होंने अपने कोरबा प्रवास के दौरान भी कही।

रामभद्राचार्य ने छत्तीसगढ़ की मौजूदा स्थिति पर भी टिप्पणी की और कहा कि राज्य से जिस तेजी से नक्सली उन्मूलन हो रहा है. उसी तरह यहां से धर्मांतरण का भी जल्द ही

निर्मूलन होगा। यहां से धर्मांतरण की समस्या पूरी तरह से समाप्त होगी। यह भी कहा कि हिंदू राष्ट्र बनने में कुछ देरी है, किंतु भारत हिंदू राष्ट्र अवश्य बनेगा। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का श्रेय उन्होंने नेताओं के बजाय संतों को दिया। अपनी आलोचना करने वालों को जवाब देते हुए जगत गुरु ने कहा कि किसी और को तो ज्ञानपीठ पुरस्कार नहीं मिला है। उन्होंने युवा संत आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ( बागेश्वर धाम ) की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे उनके शिष्य हैं और अच्छा कार्य कर रहे हैं। उन्होंने खुशी व्यक्त की कि सनातन धर्म का प्रसार तेजी से हो रहा है। उन्होंने बताया कि वह चित्रकूट में वैदिक गुरुकुल की स्थापना कर रहे हैं। रामनवमी के दिन इसका उद्घाटन कर दिया जाएगा, जिसका लाभ ऑनलाइन माध्यम से पूरे देश को मिलेगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ में भी वैदिक गुरुकुल स्थापित करने की इच्छा जताई। जगत गुरु रामभद्राचार्य ने भवानी मंदिर जिस क्षेत्र जोगिया डेरा में बसा है। उसे अब 'कौशल्या धाम' के नाम से जाने जाने की बात कही।

# हॉस्टल में रहने 125 छात्राओं ने किया आवेदन

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। गवर्नमेंट पीजी ( लीड ) कॉलेज में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की संख्या 3400 के करीब है। जिसमें केवल 2300 छात्राएं हैं। जिसमें से अधिकांश छात्राएं ग्रामीण क्षेत्र हैं। जो कॉलेज कैंपस में ही बने गर्ल्स हॉस्टल में रहकर अध्ययन करना चाहती हैं। बीते माह शुरू हुए हॉस्टल के साथ ही 192 छात्राओं ने हॉस्टल में प्रवेश के लिए आवेदन प्रत्र ले चुकी हैं। जिसमें से 125 छात्राओं ने अपने आवेदन जमा भी कर दिया है। यहां तक कि 43 छात्राओं ने शुल्क भी जमा कर दी हैं। शेष छात्राएं दीपावली के बाद हॉस्टल में शिफ्ट हो जाएंगी। कॉलेज प्रबंधन की मानें तो छात्राओं की सुविधा के लिए वर्षों बाद यह संभव हो पाया है।

### तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक को मारी टक्कर

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। उरगा क्षेत्र के इंदलभाठा तरदा के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक को ठोकर मार दिया। हादसे में बाइक सवार ग्राम सराईसिंगार निवासी परदेशी राम कलिहारी घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल के भाई लतेल राम भैना ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उसने बताया कि दोनों बाइक पर सवार होकर सोनियापाठ जा रहे थे। इस बीच ट्रेक्टर चालक ने बाइक को ठोकर मार दिया। उरगा क्षेत्र सहित जिले के विभिन्न मार्गों पर आए दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही है। हादसों में कमी नहीं आ रही है।

# अभाविप इकाई कटघोरा के नवीन कार्यकारिणी की घोषणा

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कोरबा जिला के इकाई कटघोरा की नवीन कार्यकारिणी सत्र 2025-26 की घोषणा हुई। जिसमें जिला विस्तारक प्रदीप साहू एवं समाज सेवक अनुराग तिवारी उपस्थित रहे। उन्होंने नवीन दायित्वान कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्रीयपुनिर्माण के इस ध्येय यात्रा में कटघोरा इकाई की भी भागीदारी सुनिश्चित हो जिसमें 2025-26 के नगरमंत्री नरेंद्र कुर्रे, नगर सह मंत्री अमरजीत सिंह राजपूत, हरीश यादव,आन्या गुप्ता, नगर कार्यालय मंत्री सौरभ बंजारा, नगर एसएफएस प्रमुख उत्कर्ष दुबे, नगर एसडीएस प्रमुख प्रदीप कुमार कुरूम, मनदीप सिंह मार्को, नगर राष्ट्रीय कलामंच प्रमुख मुस्कान पुहुप, राहुल दास महंत, नगर सोशल मीडिया प्रमुख सक्षमकुर्रे, कृष्णा यादव, नगर एन एस एस प्रमुख साहिल पैगवार ,नगर महाविद्यालय प्रमुख हर्ष दुबे, नगर विद्यालय प्रमुख शौर्य जायसवाल नगर छात्रावास प्रमुख सुन्दरम जायसवाल, संपत मरकाम, साधना राज ,नगर स्टडी सर्कल प्रमुख सुमित साहू, श्याम वस्त्रकार ,नगर कार्यकारिणी सदस्य गौरव खांडे, आदित्य ठाकुर को दायित्व की घोषणा की गई।

### नगर मंत्री बने नरेंद्र कुर्रे

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा ( छ.ग. ) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623